राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 04 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-15 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

हिमाचल में भारी बारिश- बर्फबारी का अलर्ट, मार्च पहले सप्ताह में ही प्रकृति का तांडव

शिमला/देहरादून।

हिमाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर तीन मार्च को भारी बारिश और बर्फबारी के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। स्थानीय मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक

मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि 26, 27 और 28 फरवरी को हुई भारी बर्फबारी और बारिश के प्रभाव के कारण तीन मार्च को चंबा, कांगड़ा और लाहौल एवं स्पीति के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया गया है। राज्य में अब भी 365 सड़कें और तीन राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हैं तथा 1,377 बिजली ट्रांसफार्मर और 269 जलापूर्ति व्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं।

राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने बताया कि रविवार को भी सड़कों समेत अन्य क्षतिग्रस्त सुविधाओं को बहाल करने के लिए कार्य जारी रहा। उन्होंने बताया कि कुछ स्थानों पर हिमस्खलन हुआ, लेकिन जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, जनजातीय क्षेत्र पांगी घाटी में साच के पास जोध नाले में संत राम नाम का एक व्यक्ति गिर गया। नेगी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत से व्यक्ति को बचा लिया। उन्होंने बताया कि साच में एक सरकारी हेलीकॉप्टर भेजा गया और व्यक्ति को कुल्लू ले जाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मौसम विज्ञान केंद्र ने तीन मार्च को राज्य में अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या बर्फबारी, चार मार्च को कई स्थानों पर मध्यम बारिश या बर्फबारी, पांच से आठ मार्च तक शुष्क मौसम का अनुमान जताया है। उत्तराखंड में भी पहाड़ों पर मौसम बिगड़ा हुआ है। बताया गया है कि ग्लेशियर फटने का खतरा बना हुआ है। चारों धाम केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में काफी बर्फबारी हुई है।

चमोली के माणा में ग्लेशियर फटने की घटना में 8 मजदूर मारे गए हैं।

दिल्ली का बजट सत्र 24 से 26 मार्च को, सीएम रेखा गुप्ता ने जनता से मांगे सुझाव

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ऐलान किया कि दिल्ली विधानसभा का बजट सत्र 24 से 26 मार्च के बीच आयोजित होगा। इस मौके पर उनके साथ कैबिनेट के छह मंत्री भी मौजूद थे। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार जनता की जरूरतों के हिसाब से बजट तैयार करना चाहती है। इसलिए दिल्लीवासियों से सुझाव मांगे गए हैं। उन्होंने बताया कि सरकार के मंत्री और विधायक लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं और सुझाव लेंगे, ताकि बजट में उन्हीं चीजों को प्राथमिकता दी जाए जो दिल्ली की बेहतरी के लिए जरूरी हैं। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार छुट्टियों में भी काम कर रही है। सचिवालय में शनिवार और रविवार को भी अधिकारी कार्यरत रहते हैं। उन्होंने दिल्ली की जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा, हमने जो वादे किए हैं, उन्हें पूरा करेंगे। इसी के साथ सीएम रेखा गुप्ता ने जनता से सुझाव के लिए ईमेल और वॉट्सऐप नंबर भी जारी किया है।

पप्पू यादव ने बीजेपी पर साधा निशाना और कहा- नीतीश कुमार के बिना कोई हैसियत नहीं

पटना। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने भाजपा और एनडीए पर तीखा हमला बोला और कांग्रेस को बेहतर पार्टी बताया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के बिना बीजेपी की कोई औकात नहीं है। पप्पू यादव ने दावा किया कि एनडीए में मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार से बेहतर कोई चेहरा नहीं है। पप्पू यादव ने कहा, बीजेपी को कभी भी नीतीश कुमार का चेहरा पसंद नहीं था, लेकिन इस जन्म में उनसे बेहतर सीएम पद के लिए कोई नेता बीजेपी के पास नहीं होगा। उन्होंने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि किसी को जबरदस्ती पाउडर लगाकर मुख्यमंत्री बना सकते हैं, लेकिन असली नेतृत्व की कमी है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु के बयान– इस बार बिहार में ए टीम बनकर काम करेंगे– पर पप्पू यादव ने समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि बिहार में कांग्रेस ही बीजेपी को टक्कर दे सकती है और बिना कांग्रेस के एनडीए को हराना नामुमकिन है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा महिलाओं को 2500 रुपये भत्ता देने और वृद्धा पेंशन बढ़ाने की मांग पर भी पप्पू यादव ने तंज कसा। उन्होंने कहा, जब सरकार में थे, तब क्यों नहीं बढ़ाया? चुनावी मौसम में वैज्ञानिक बनने का क्या मतलब है? पप्पू यादव ने केंद्रीय बजट पर भी निशाना साधा और कहा कि इसका कोई फायदा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में प्रति व्यक्ति 8000 रुपये कर्ज बढ़ गया है, जबकि 91 लाख करोड़ शेयर मार्केट में बर्बाद हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनावी मार्केटिंग के लिए जनता के पैसे का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए और फ्री बिजली देने की योजना पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए। पप्पू यादव के इस बयान के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। अब देखना यह होगा कि बीजेपी और अन्य विपक्षी दल इस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

केंद्रीय मंत्री की बेटी और सहेलियों से छेड़छाड़ करने वाले 3 युवक गिरफ्तार

मुंबई। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता रक्षा खडसे की बेटी के साथ जो कुछ भी हुआ उसने सभी को हैरानी में डाल दिया है। अब हर किसी के मन में सवाल उठ रहा है कि अगर एक केंद्रीय मंत्री की बेटी ही सुरक्षित नहीं है, तो आम लड़कियों की सुरक्षा का क्या होगा। बता दें 24 फरवरी रात को कोथली गांव में संत मुक्ताई यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री खडसे की बेटी और उनकी कुछ सहेलियों के साथ कुछ मनचले लड़कों ने छेड़छाड़ कर दी थी। इस घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। रक्षा खडसे के सुरक्षा गार्ड की शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस के मुताबक अनिकेत भोई, किरण माली और अनुज पाटिल को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया है। पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामले से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। केंद्रीय मंत्री खडसे ने इस घटना के बाद कहा था कि अगर एक केंद्रीय मंत्री और सांसद की बेटी के साथ छेड़छाड़ की जा रही है, तो बाकी लोगों का क्या होगा? उन्होंने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस से भी बात की थी और मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

बिहार बजट: किसानों को राहत के साथ महिलाओं को आरक्षण

-शिक्षा को सबसे ज्यादा 60 हजार करोड़ रुपए आवंटित

पटना।

बिहार के वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने विधानसभा में 3.17 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया। इस बजट में सबसे ज्यादा 60 हजार करोड़ रुपए शिक्षा क्षेत्र के लिए आवंटित किए गए हैं, जबकि स्वास्थ्य सेवाओं पर 20,335 करोड़ खर्च किए जाएंगे।बजट में महिलाओं के सशक्तिकरण और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं हैं। इनमें प्रमुखत- स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन में महिलाओं को 33 प्रतिशत तक आरक्षण दिए जाने की बात है। बड़े शहरों में पिंक बस सर्विस शुरू होगी, जिसमें ड्राइवर और कंडक्टर भी महिलाएं ही होंगी। महिलाओं के लिए विशेष पिंक टॉयलेट बनाए जाएंगे। कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षित हॉस्टल की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। हर पंचायत में विवाह मंडप बनाए जाएंगे, जहां गरीब लड़कियों की शादी कराई जाएगी।

किसानों को राहत, एमएसपी पर खरीद

सरकार अरहर, मूंग और उड़द की दाल न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदेगी। हर ब्लॉक में कोल्ड स्टोरेज खोले जाएंगे ताकि किसानों की फसलों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सके। इसके अलावा अगले तीन महीनों में पूर्णिया एयरपोर्ट का संचालन शुरू किया जाएगा। इससे उत्तर बिहार और सीमांचल के लोगों को हवाई यात्रा की बेहतर सुविधा मिलेगी।

आर्थिक प्रबंधन और अन्य महत्वपूर्ण घोषणाएं

राजकोषीय घाटा निर्धारित सीमा से 3प्रतिशत नीचे है, जो बिहार की आर्थिक स्थिति को स्थिर बनाए रखता है। बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के लिए 1,000 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है। बिहार सरकार 2819 करोड़ रुपए का लोन चुकाएगी, जिसमें 1600 करोड़ रुपए केंद्र सरकार को दिए जाएंगे।

बजट पर सियासी तकरार

बजट भाषण के दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव मंद-मंद मुस्कुराते नजर आए, जिससे राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज हो गईं। विपक्ष ने बजट को घोषणाओं का पुलिंदा बताया, जबकि सरकार ने इसे बिहार के विकास का रोडमैप करार दिया है।

इस बजट में महिलाओं, किसानों, शिक्षा, और बुनियादी ढांचे पर खास जोर दिया गया है। यदि सभी योजनाएं समय पर लागू होती हैं, तो बिहार के विकास को नई गति मिलने की पूरी संभावना है।

पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने की महिलाओं को हर माह 2500 देने की मांग

पटना।

बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने सरकार से महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपए देने की मांग की है। बिहार विधानमंडल के बजट सत्र की सोमवार की कार्यवाही शुरू होने के पहले ही विपक्ष के विधायकों ने विधानमंडल परिसर में प्रदर्शन किया। विपक्षी विधायकों ने हाथों में तख्तियां लिए थे। इस बजट से उन्हें ज़्यादा उम्मीद नहीं है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि बिहार की महिलाओं और युवाओं के लिए क्या खास है? क्या सरकार 200 यूनिट बिजली मुफ्त देगी?

इधर, बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा के तहत वृद्धा पेंशन को 1500 रुपए दे सरकार। इसके अलावा जो गैस सिलेंडर 1200 रुपए में मिल रहा है, उसे 500 रुपए प्रति सिलेंडर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सभी महिलाओं को, चाहे वे किसी भी वर्ग और धर्म की हों, सरकार को 2500 रुपए प्रति महीना पेंशन दे। लोगों को 200 यूनिट बिजली फ्री दे। राबड़ी देवी ने उम्मीद जताई कि सरकार बजट में जनता को भ्रमित करने का काम नहीं करेगी।

बता दें रविवार को राजद नेता तेजस्वी यादव ने भी कहा था कि नीतीश कुमार का यह आखिरी बजट होगा।

उससे पहले बजट में आप महिलाओं के लिए कुछ अच्छा ऐलान कर दीजिए। भले ही मेरी योजना को कॉपी कर लीजिए, लेकिन महिलाओं को 2500 रुपये हर महीने दीजिए।

माधबी के खिलाफ मामला होगा दर्ज

-सेबी की पूर्व अध्यक्ष पर एसीबी कोर्ट ने दिए एफआईआर दर्ज करने के आदेश

मुंबई।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की पहली महिला अध्यक्ष माधबी पुरी बुच ने 1 मार्च 2022 को यह पद संभाला था। माधबी पुरी बुच का कार्यकाल 28 फरवरी को पूरा हुआ है और उनकी जगह तुहिन कांत पांडे को नया सेबी चेयरपर्सन बनाया गया है। कार्यकाल पूरा होते ही माधबी पुरी बुच पर एफआईआर दर्ज करने के आदेश हुए हैं। मुंबई की एसीबी अदालत ने पूर्व सेबी प्रमुख माधबी पुरी बुच और पांच अन्य के खिलाफ कथित शेयर बाजार धोखाधड़ी और नियामक उल्लंघनों के आरोप में एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। माधबी पुरी का जन्म 1965 में मुंबई में हुआ था। उनके पिता एक बिजनेसमैन थे और उनकी मां राजनीति विज्ञान में डॉक्टरेट थीं। माधबी की शुरुआती पढ़ाई फोर्ट कॉन्वेंट स्कूल, मुंबई से हुई। इसके बाद उनका परिवार दिल्ली आ गया, जिसके बाद उन्होंने आगे की पढ़ाई दिल्ली से पूरी की। माधबी पुरी बुच ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट स्टीफेंस कॉलेज से मैथ्स में ग्रेजुएशन किया। इसके बाद उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) अहमदाबाद से एमबीए की डिग्री ली। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 1989 में आईसीआईसीआई बैंक से की, जहां उन्होंने इन्वेस्टमेंट बैंकिंग में काम किया था बाद में माधबी आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की एमडी और सीईओ भी बनीं। माधबी ने आईसीआईसीआई के अलावा ग्रेटर पैसिफिक कैपिटल, सिंगापुर की भी बागडोर संभाली। ब्रिक्स समूह द्वारा स्थापित न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी), शंघाई में सलाहकार के रूप में भी काम किया। सेबी की अध्यक्ष बनने से पहले माधबी पुरी बुच 5 अप्रैल 2017 से 4 अक्टूबर 2021 तक सेबी की होल टाइम मेंबर थीं। इस दौरान उन्होंने मॉनिटरिंग, म्यूचुअल फंड, सामूहिक निवेश योजनाएं और बाजार नियमन जैसे प्रमुख विभागों की जिम्मेदारी संभाली। उन्हें अजय त्यागी की जगह सेबी का चेयरपर्सन नियुक्त किया था। इस दौरान उन्होंने बाजार की मॉनिटरिंग, निवेशक शिक्षा, आर्थिक नीतियों और सूचना प्रौद्योगिकी विभागों की अगुवाई की। माधबी अगोरा एडवाइजरी प्राइवेट लिमिटेड की इनक्यूबेशन फर्म की संस्थापक-निदेशक भी हैं।

रोहित पर टिप्पणी करना शमा को पड़ा महंगा, कांग्रेस ने लगाई फटकार दी नसीहत

नई दिल्ली।

कांग्रेस प्रवक्ता ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की जिसको लेकर पार्टी ने सोमवार को उन्हें फटकार लगाई और ऐसी टिप्पणियों से बचने की नसीहत दी। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि शमा की टिप्पणी कांग्रेस का मत नहीं है। दूसरी ओर, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस टिप्पणी को अनुचित बताया है। शमा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया था जिसमें उन्होंने रोहित शर्मा को 'मोटा' और 'अप्रभावी कप्तान' कहा था। उन्होंने अपने विवादित पोस्ट को हटा दिया है।

उनके इस पोस्ट पर बीजेपी नेताओं सहित कई लोगों ने प्रतिक्रिया दी और मुख्य विपक्षी दल को निशाना बनाया। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय पर आई जब मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय क्रिकेट टीम विजय हासिल करते हुए सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। शमा ने अपने पोस्ट में कहा था कि रोहित शर्मा 'एक खिलाड़ी होने के लिहाज से मोटे हैं।' उन्होंने यह भी कहा था, 'उन्हें वजन कम करने की जरूरत है! ...और निश्चित रूप से भारत का अब तक का सबसे अप्रभावी कप्तान।'

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. शमा मोहम्मद ने क्रिकेट के एक दिग्गज के बारे में कुछ टिप्पणियां कीं जो पार्टी की स्थिति को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं। बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने शमा की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा।

उन्होंने पोस्ट में लिखा 'जो लोग राहुल गांधी की कप्तानी में 90 चुनाव हार चुके हैं, वे रोहित शर्मा की कप्तानी को अप्रभावी बता रहे हैं। दिल्ली में छह बार शून्य पर आउट होना और 90 बार चुनावी हार प्रभावशाली है, लेकिन टी20 विश्व कप जीतना नहीं! वैसे, कप्तान के रूप में रोहित का ट्रैक रिकॉर्ड शानदार है।

बीजेपी नेता और दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा, 'यह बहुत शर्मनाक है कि कांग्रेस की एक आधिकारिक प्रवक्ता इस तरह का बयान दे रही है। यह कांग्रेस का बयान है। उन्हें लगता है कि केवल एक ही व्यक्ति हर चीज के लिए उपयुक्त है और वह हैं राहुल गांधी।

सिर पर हैट और हाथ में कैमरा लिए शेर की तस्वीरें खींचते दिखाई दिए पीएम मोदी

जूनागढ़ ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व वन्यजीव दिवस के मौके पर सोमवार सुबह गुजरात के जूनागढ़ जिले में गिर वन्यजीव अभयारण्य में जंगल सफारी का आनंद लिया। वे सिर पर हैट और हाथ में कैमरे के साथ दिखाई दिए। यहां उन्होंने विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों से बातचीत भी की।

'सिंह सदन' से प्रधानमंत्री मोदी जंगल सफारी पर गए, उनके साथ कुछ मंत्री और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी थे। पीएम मोदी शेरों की तस्वीरें उतारते दिखाई दिए।

नेशनल पार्क में शेर भी धूप का लुत्फ उठाते हुए दिखे। केंद्र सरकार ने एशियाई शेरों के संरक्षण के लिए 'प्रोजेक्ट लॉयन' के तहत 2,900 करोड़ रुपये से अधिक की राशि मंजूर की है। इन शेरों का एकमात्र निवास स्थान गुजरात है। एशियाई शेर गुजरात के नौ जिलों के 53 तालुकाओं में करीब 30,000 वर्ग किलोमीटर में निवास करते हैं। इसके अलावा, एक राष्ट्रीय परियोजना के तहत जूनागढ़ जिले के न्यू पिपल्या में 20.24 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर वन्यजीवों के चिकित्सीय निदान एवं रोग से बचाव के लिए एक 'राष्ट्रीय रेफरल केंद्र' स्थापित किया जा रहा है। इसके पहले पीएम मोदी ने रिलायंस जामनगर रिफाइनरी परिसर में स्थित पशु बचाव, संरक्षण और पुनर्वास केंद्र 'वनतारा' का भी दौरा किया। बसंत के मौसम में जंगलो में पलाश के फूल भी खिले हुए हैं। पीएम मोदी जीप पर बैठे-बैठे ही फूल भी चुनने लगे।

आईटीबीपी कैंप के सामने गिरा बड़ा हिमखंड, वीडियो आया सामने

लाहौल स्पीति ।

हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में एक भयावह वीडियो सामने आया है। लाहौल स्पीति जिले की स्पिती घाटी में बड़ा हिमखंड गिरा, जो भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) कैंप के सामने गिरा। घटना का वीडियो भी सामने आया है, इसमें पहाड़ के ऊपर से हिमस्खलन होते हुए देखा जा सकता है। दरअसल, पूरी घटना स्पिती घाटी के ग्यू गांव की है। यहां भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) का स्थायी कैंप है। यहीं पर अचानक से पहाड़ के ऊपर से हिमस्खलन होने लगा। वहीं बर्फीली चट्टानें गिरता देख लोग दहशत में आ गए और इधर-उधर भागने को मजबूर हो गए। हालांकि राहत की बात यह रही कि हिमखंड आईटीबीपी कैंप से मात्र 200 मीटर पहले ही थम गया। बता दें कि ग्यू स्थित आईटीबीपी कैंप में जवान सड़क से बर्फ हटाने का काम कर रहे थे। इसी दौरान पहाड़ों से बर्फ टूटकर गिरने लगी। एवलांच की स्पीड काफी तेज थी, जिससे पूरे इलाके में धुंध छा गई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यौन अत्याचारों के बढ़ने की त्रासदी पर लगाम लगे

यह दिवस देश एवं दुनिया में महिलाओं और बालिकाओं के साथ हो रहे यौन शोषण के मामलों पर लगाम लगाने के लिये जागरूकता की मुहिम है। इसका मुख्य उद्देश्य यौन शोषण और वेश्यावृत्ति में लिप्त महिलाओं को बचाकर उन्हें सामान्य जीवन जीने के लिए प्रेरित करना भी है। महिलाओं एवं बालिकाओं पर बढ़ते यौन अत्याचारों को देखते हुए यह प्रतीत होता है कि इक्कीसवीं सदी का सफर करते हुए तमाम तरह के विकास के वायदे खोखले साबित हो रहे हैं। भारत के लिये निश्चित रूप से यह चिंताजनक है और हमारी विकास-नीतियों पर सवाल भी उठाती है। बड़ा सवाल तो तब खड़ा हुआ जब सुप्रीम कोर्ट में पेश आंकड़ों के मुताबिक 2016 में ही देश भर में करीब एक लाख बच्चे यौन अपराधों के शिकार हुए।

(लेखक -ललित गर्ग)

(यौन शोषण के विरुद्ध संघर्ष का विश्व दिवस -4 मार्च, 2025)

यौन शोषण दुनिया के लिए बड़ी समस्या है, जो दुनिया भर में है। हालांकि कुछ देशों में महिलाएं अधिक असुरक्षित एवं यौन उत्पीड़न, शोषण एवं हिंसा की शिकार हैं, इनमें दक्षिण पूर्व एशिया, पूर्वी यूरोप और कुछ लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों शामिल हैं, भारत की स्थिति भी बहुत ज्यादा अच्छी नहीं कहीं जा सकती। वेश्यावृत्ति के उद्देश्यों के लिए इन क्षेत्रों की तस्करी वाली महिलाओं को आम तौर पर तथाकथित विकसित दुनिया के देशों में ले जाया जाता है। महिलाओं को इसी त्रासदी से मुक्ति दिलाने के लिये ही दुनियाभर में 4 मार्च को यौन शोषण के विरुद्ध संघर्ष का विश्व दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य महिलाओं को यौन शोषण के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए प्रेरित करना है। दुनियाभर में महिलाओं और बच्चों के साथ रोजाना कई प्रकार के यौन शोषण के मामले सामने आते रहते हैं। यह अनुमान लगाया गया है कि हर दिन औसतन आठ महिलाएं, लड़कियां और अक्सर युवा लड़कों का यौन शोषण किया जाता है। यौन उत्पीड़न किसी भी प्रकार का अवांछित यौन प्रस्ताव, यौन पक्ष के लिए अनुरोध, यौन प्रकृति का मौखिक या शारीरिक आचरण या इशारा, या यौन प्रकृति का कोई अन्य व्यवहार है, जिसकी उचित रूप से अपेक्षा की जा सकती है या जिसे किसी अन्य के लिए अपमान या अपमान का कारण माना जा सकता है, जब ऐसा आचरण काम में बाधा डालता है, जो सहायता कर्मियों द्वारा साथी सहायता कर्मियों के विरुद्ध किया जाता है। यूनिसेफ ऐसे सभी प्रकार के यौन दुराचार, यौन उत्पीडन, अत्याचार और यौन हिंसा से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है। संयुक्त राष्ट्र यौन शोषण और यौन दुर्व्यवहार, यौन उत्पीड़न और बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के बीच अंतर करता है। यौन शोषण एक यौन प्रकृति का वास्तविक या धमकी भरा शारीरिक अतिक्रमण है, चाहे बलपूर्वक या असमान या बलपूर्वक परिस्थितियों में, सहायता कार्यकर्ताओं द्वारा उन बच्चों और परिवारों के खिलाफ किया जाता है जिनकी हम सेवा करते हैं।

यौन उत्पीड़न समाज में हर जगह पसरा है, कार्यस्थल, शैक्षणिक संस्थान और घर से लेकर धार्मिक स्थलों में महिलाएं एवं बालिकाएं असुरक्षित है। ग्रामीण इलाकों में 26 प्रतिशत महिलाएं, शहरी इलाकों में 21 प्रतिशत और उपनगरीय इलाकों में 18 प्रतिशत महिलाएं यौन उत्पीड़न की शिकार होती हैं। जो महिलाएं अपनी आय का मुख्य स्रोत टिप पर निर्भर रहती हैं, उनके यौन उत्पीड़न की संभावना दोगुनी होती है। कॉलेज के दो-तिहाई छात्र यौन उत्पीड़न का अनुभव करते हैं। 12-17 साल की उम्र के 1.6 प्रतिशत बच्चे बलात्कार या यौन उत्पीड़न के शिकार होते हैं। यौन उत्पीड़न का शिकार हुई चार किशोर बालिकाओं एवं बच्चों में से लगभग तीन यानी 74 प्रतिशत कोई ऐसी बालिका या बच्चे अपने ही किसी परिचित से हुए, जिसे वे अच्छी तरह से जानती थे। यौन शोषण कई तरह से किया जाता है, जैसे अवांछित यौन स्पर्श 49 प्रतिशत, साइबर यौन उत्पीड़न 40 प्रतिशत, अवांछित जननांग प्रदर्शन 30 प्रतिशत, शारीरिक रूप से पीछा किया जाना 27 प्रतिशत और यौन उत्पीड़न 23 प्रतिशत है।

यह दिवस देश एवं दुनिया में महिलाओं और बालिकाओं के साथ हो रहे यौन शोषण के मामलों पर लगाम लगाने के लिये जागरूकता की मुहिम है। इसका मुख्य उद्देश्य यौन शोषण और वेश्यावृत्ति में लिप्त महिलाओं को बचाकर उन्हें सामान्य जीवन जीने के लिए प्रेरित करना भी है। महिलाओं एवं बालिकाओं पर बढ़ते यौन अत्याचारों को देखते हुए यह प्रतीत होता है कि इक्कीसवीं सदी का सफर करते हुए तमाम तरह के विकास के वायदे खोखले साबित हो रहे हैं। भारत के लिये निश्चित रूप से यह चिंताजनक है और हमारी विकास-नीतियों पर सवाल भी उठाती है। बड़ा सवाल तो तब खड़ा हुआ जब सुप्रीम कोर्ट में पेश आंकड़ों के मुताबिक 2016 में ही देश भर में करीब एक लाख बच्चे यौन अपराधों के शिकार हुए। कितनी विडम्बना है कि देश में हम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाएं यौन शोषण का शिकार हो रही है। यह दाग 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है। वे पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। उसका मुख्य कारण है सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिकओ को भोग्या समझने की विकृत मानसिकता।

बालिकाओं के साथ होने वाली त्रासद एवं अमानवीय घटनाएं -निर्भया कांड, नितीश कटारा हत्याकांड, प्रियदर्शनी मट्टू बलात्कार व हत्याकांड, जेसिका लाल हत्याकांड, रुचिका मेहरोत्रा आत्महत्या कांड, आरुषि मर्डर मिस्ट्री की घटनाओं में पिछले कुछ सालों में इंडिया ने कुछ और ऐसे मौके दिए जब अहसास हुआ कि भ्रूण में किसी तरह नारी अस्तित्व बच भी जाए तो दुनिया के पास उनके साथ और भी बहुत कुछ है बुरा करने के लिए। बहशी एवं दरिन्दे लोग ही बालिकाओं को नहीं नोचते, समाज के तथाकथित ठेकेदार कहे जाने वाले लोग और पंचायतें, तथाकथित राम-रहीम जैसे धर्मगुरु भी बालिकाओं की स्वतंत्रता एवं अस्मिता को कुचलने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं, स्वतंत्र भारत में यह कैसा समाज बन रहा है, जिसमें महिलाओं की आजादी छीनने की कोशिशें और उससे जुड़ी यौन उत्पीड़न एवं हिंसक की त्रासदीपूर्ण घटनाओं ने बार-बार हम सबको शर्मसार किया है। यौन शोषण के विरुद्ध संघर्ष का विश्व दिवस का यह अवसर इन त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है, क्योंकि बालिकाओं एवं महिलाओं के समावेश, न्याय व सुरक्षा की स्थिति को बताने वाले वैश्विक शांति व सुरक्षा सूचकांक के 177 देशों में भारत का 128वां स्थान है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के विरूद्ध अपराध में राष्ट्रीय औसत 66.4 प्रतिशत है। राजधानी दिल्ली का स्थान 144.4 अंकों के साथ सर्वोच्च है। माना जाता है कि 90 प्रतिशत यौन उत्पीड़न जान-पहचान के व्यक्ति ही करते हैं। यानी बालिकाएं अपने ही घर या परिचितों के बीच सबसे ज्यादा असुरक्षित है।

बालिकाओं एवं महिलाओं के ख़िलाफ़ हो रहे अपराध, ख़ासतौर पर यौन अपराध के ज्यादातर मामले सामने नहीं आ पाते, विशेषतः बालिकाएं समझ ही नहीं पाती कि उनके साथ कुछ गलत हो रहा है। अगर वे समझती भी हैं तो डांट के डर से अभिभावकों से इस बारे में बात नहीं करती हैं। महिला एवं बाल विकास कल्याण मंत्रालय के अध्ययन में भी यही बात सामने आई है। बालिकाओं पर बढ़ रहे यौन अपराधों पर नियंत्रण पाने के लिये व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है। बालिकाओं एवं बच्चों से खुलकर बात करें। उनकी बात सुने और समझें। अगर बालिकाओं एवं बच्चे कुछ ऐसा बताते है तो उसे गंभीरता से लें। इस समस्या को हल करने की कोशिश करें। पुलिस में बेझिझक शिकायत करें। बालिकाओं एवं बच्चों को 'गुड टच-बैड टच' के बारे में बताएं- बालिकाओं एवं बच्चों को बताएं कि किस तरह किसी का उनको छूना ग़लत है। बालिकाओं के आस-पास काम करने वाले लोगों की पुलिस वेरिफिकेशन होनी चाहिए। जब कोई अपराध करता हुआ पकड़ा जाता है तो उसे फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट के ज़रिए जल्द से जल्द सज़ा मिलनी चाहिए। अपराधियों को जल्द सज़ा समाज में सख्त संदेश देती है कि ऐसा अपराध करने वाले बच नहीं सकते। बालिका एवं बच्चों के यौन अपराधियों को सज़ा देने के लिए खास कानून है- पॉक्सो यानि प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंसेस। इस कानून का मकसद बालिकाओं एवं बच्चों के साथ यौन अपराध करने वालों को जल्द से जल्द सजा दिलाना है, इस कानून का सही परिप्रेक्ष्य में तत्परता से पालन होना चाहिए।

सपादकीय

नशे के खिलाफ युद्ध

लगातार चुनौती बने नशीली दवाओं के कारोबार के खिलाफ पंजाब सरकार ने एक महत्वाकांक्षी युद्ध शुरू किया है। सरकार का दावा है कि तीन महीने के भीतर इस समस्या का खात्मा कर दिया जाएगा। इसी क्रम में विभिन्न सरकारी विभागों ने सैकड़ों छापे डाले, तीन सौ के करीब गिरफ्तारियां और बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई। निस्संदेह, यह कार्रवाई अभियान आक्रामक व तेज है, लेकिन ऐसे अभियान चलाने के दावे विगत में किए जाते रहे हैं। दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान में हेरोइन उत्पादन के केंद्र- गोल्डन क्रिसेंट के निकट होने के कारण पंजाब लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी से जूझ रहा है। सवाल यह है कि मान सरकार का नशे के कारोबार के खिलाफ जारी अभियान कामयाबी की नई इबारत लिख पायेगा? उल्लेखनीय है कि मान के नेतृत्व वाले प्रशासन ने नशामुक्ति और पुनर्वास प्रयास के साथ ही प्रवर्तन एजेंसियों के जरिये एक व्यापक रणनीति को अंजाम देने की कोशिश की है। इस अभियान में नशामुक्ति केंद्रों और डॉक्टरों द्वारा लिखी जाने वाली दवाओं की बिक्री को विनियमित करने पर ध्यान देकर एक कारगर पहल की गई है। हालांकि, इस अभियान की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या हम इस समस्या की जड़ पर प्रहार कर पाए हैं? दरअसल, इस संकट के मूल में जहां राजनीतिक जटिलताएं, सीमा से जुड़ी समस्याएं हैं, वहीं युवाओं के लिये रोजगार से जुड़े विकल्पों की भी कमी है। उल्लेखनीय है कि पंजाब में विगत में भी ऐसे दावे किए गए हैं। वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने चार हफ्ते में नशे के कारोबार को खत्म करने का वादा किया था। निस्संदेह, उनकी सरकार ने भी इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए थे। जिसमें सरकारी कर्मचारियों के लिये भी वार्षिक दवा परीक्षण तथा अधिकारियों की नशीली दवाओं के दुरुपयोग रोकथाम की जवाबदेही शामिल थी। लेकिन उसके बावजूद नशीली दवाओं का संकट जारी रहा। इससे पहले बादल के नेतृत्व वाली अकाली सरकार की भी नशे के खिलाफ शुरू की गई लड़ाई सिरे नहीं चढ़ सकी। दरअसल, नशे के कारोबार से जुड़े बड़े माफिया के खिलाफ कारगर कार्रवाई न हो सकने के कारण ये अभियान प्रभावी नहीं हो पाते। इस कार्रवाई का शिकार वे लोग होते हैं जो नशीली दवाओं के अंतिम उपयोगकर्ता नशेड़ी होते हैं। जो आमतौर पर गरीब लोग होते हैं। वहीं दूसरी ओर नशे का बड़ा कारोबार निर्बाध रूप से चलता रहता है। आखिर क्या वजह है कि भारी पुलिस व्यवस्था के बावजूद नशीली दवाओं की बड़ी खेप पंजाब में आसानी से प्रवेश कर जाती है। जो व्यवस्थागत संरचनात्मक मुद्दों की खामियों की ओर इशारा करती है। दरअसल, दीर्घकालिक दृष्टिकोण के बिना कोई भी कार्रवाई स्थायी परिवर्तन लाने में विफल ही रहेगी। सीमा पर सख्त नियंत्रण करने, न्यायिक दक्षता और समाज को जागरूक करने की जरूरत है। वहीं सुखद है कि हिमाचल सरकार ने छह माह में नशे के नेटवर्क को ध्वस्त करने का संकल्प जताया है, जिसमें तस्करों की संपत्ति जब्त करने व संदिग्ध खातों की जांच भी शामिल है।

स्वस्थ भारत की ओरः मोदी की मुहिम से घटेगा मोटापा!

(लेखिका- सोनम लववंशी)

एक स्वस्थ देश के निर्माण की राह में नागरिकों का मोटापा किस कदर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को चिंतित कर रहा है, इसकी बानगी हाल ही में आकाशवाणी पर माह के अंतिम रविवार को प्रसारित होने वाले मन की बात कार्यक्रम में देखने को मिली। आंकड़ों पर गौर करें तो विश्व भर के 250 करोड़ लोग मोटापे से जूझ रहे हैं, जबकि भारत में हर आठवां व्यक्ति मोटापे का शिकार है। यह समस्या केवल बड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि अब बच्चों को भी अपने आगोश में ले रही है, और हाल के वर्षों में तो यह समस्या चार गुना तक बढ़ गई है। इसके कारण हृदय रोग, तनाव, मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को आगाह किया और इससे बचने की सलाह दी। साथ ही, देशवासियों से खाने में तेल की खपत को 10 प्रतिशत घटाने का आग्रह किया। इस मुहिम के लिए दस नामी-गिरामी हस्तियों को अभियान से जोड़ा गया, जो मोटापे को समाप्त करने की श्रृंखला के प्रारंभिक व्यक्ति के तौर पर होंगे। इनमें उमर अब्दुल्ला, आनंद महिंद्रा, मनु भाकर, आर. माधवन, नंदन नीलेकणी, श्रेया घोषाल, निरहुआ, सुधा मूर्ति और मीरा बाई जैसी हस्तियां शामिल हैं।

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, मोटापा एक महामारी बन चुका है, जो हर साल 28 लाख वयस्कों की जान ले रहा है। भारत में करीब 10 करोड़ से ज्यादा लोग मोटापे से जूझ रहे हैं, जिनमें 12 प्रतिशत पुरुष और 40 प्रतिशत महिलाएं बेली फैट से परेशान हैं। आंकड़ों के अनुसार, स्थिति वाकई डराने वाली है। 'द लांसेट' पत्रिका के अनुसार, भारत में 5 से 19 वर्ष के करीब 1.25 करोड़ बच्चे मोटापे के शिकार हैं, जबकि 1990 में यह संख्या मात्र 4 लाख थी। वयस्कों की स्थिति भी कम भयावह नहीं है। 2022 में 4.4 करोड़ महिलाएं और 2.6 करोड़ पुरुष मोटापे से ग्रस्त थे। ऐसे में यह विकास है या विनाश, यह तय करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल ओबेसिटी ऑब्जर्वेटरी के आंकड़े बताते हैं कि मोटापे से आर्थिक बोझ लगातार बढ़ रहा है। 2019 में जहां यह 2.4 लाख करोड़ रुपये था, वहीं 2030 तक यह 6.7 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। यह दर्शाता है कि अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या और विकराल रूप धारण कर सकती है। भारत विकासशील देश से विकसित बनने की राह पर तेजी से अग्रसर है, लेकिन इसी रफ्तार में हमारा शरीर भी तेजी से फैलता जा रहा है। एक समय था जब 'तोंद' को समृद्धि का प्रतीक माना जाता था, लेकिन अब डॉक्टर इसे बीमारी का घर बताते हैं। मोटापा आज केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बढ़ती समस्या को भांपते हुए इसे रोकने की ठानी और 'फिट इंडिया मूवमेंट' जैसे अभियानों के माध्यम से पूरे देश को समझा रहे हैं कि 'स्वास्थ्य ही धन है।' देखा जाए तो मोटापे की समस्या आधुनिक जीवनशैली की देन है। पहले भोजन खाने से पूर्व हाथ धोने की आदत थी, अब 'ऑनलाइन फूड डिलीवरी' ऐप चेक करना प्राथमिकता बन गया है। बच्चे खेल के मैदान में कम, मोबाइल स्क्रीन में ज्यादा व्यस्त रहते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने देहरादून में राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन के दौरान भी मोटापे की समस्या को लेकर चिंता व्यक्त की और 'फिटनेस' को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि अगर हम रोजमर्रा की भागदौड़ में से थोड़ा समय निकालकर व्यायाम करें, तो कई बीमारियों से बच सकते हैं। इस पूरी मुहिम में खानपान की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत का भोजन हमेशा से वैज्ञानिक रूप से संतुलित रहा है, लेकिन पिज्जा, बर्गर और इंस्टेंट नूडल्स की बढ़ती लोकप्रियता ने इसे हाशिए पर धकेल दिया है। जंक फूड की बढ़ती लत इस समस्या को और जटिल बना रही है। मोदी सरकार ने 'ईट राइट इंडिया' अभियान को बढ़ावा देते हुए लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया है कि 'स्वस्थ खाना ही असली खाना है।' प्रधानमंत्री मोदी की इस पहल को कई मशहूर हस्तियों का भी समर्थन मिला है। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या हम केवल सोशल मीडिया पर 'फिटनेस चैलेंज' स्वीकार करने तक सीमित रहेंगे, या फिर वास्तव में अपने शरीर को स्वस्थ रखने का प्रयास करेंगे?

सरकार चाहे जितने भी अभियान चला ले, जब तक आम जनता खुद स्वास्थ्य को प्राथमिकता नहीं देगी, तब तक मोटापे की समस्या बनी रहेगी। प्रधानमंत्री मोदी की इस मुहिम का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है कि फिटनेस कोई विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। मोटापे की समस्या केवल शरीर तक सीमित नहीं रहती, यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और कार्यक्षमता पर भी असर डालती है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपनी जीवनशैली में बदलाव लाएं, व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और संतुलित आहार अपनाएं। मोदी की इस मुहिम का उद्देश्य भारत को आर्थिक और शारीरिक रूप से मजबूत राष्ट्र बनाना है। लेकिन यह बदलाव तभी संभव होगा जब हम 'स्वस्थ भारत' के सपने को सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी न मानें, बल्कि इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। वरना, वह दिन दूर नहीं जब अस्पतालों में मोटापे से ग्रस्त लोगों की लंबी कतारें होंगी।

(चिंतन-मनन)

सफलता चाहिए तो पहले ये सीखें

किसी भी काम में लगन का अपना महत्व होता है, सफलता आपकी एकाग्रता पर ही निर्भर करती है। आप संसार को पाने की दौड़ में हो या परमात्मा को, जब तक हम ध्यान लगाकर काम नहीं करेंगे कभी ठीक परिणाम नहीं मिलेगा। इसके लिए जरूरी है कि आप पहले अपने मन को एकाग्र करें, फिर सफलता खुद आपको मिल जाएगी। एक बार की बात है। राजा एक बार युद्ध पर गया। शाम के समय युद्ध के बाद राजा अपने युद्ध के बाद शिविर से थोड़ी दूर जाकर एक वीरान स्थान पर ध्यान लगाकर बैठ गया ताकि उसे थोड़ी शांति मिल सके। अभी राजा नदी के किनारे पर बस ध्यान की मुद्रा में बैठा ही था। वहां से एक युवती दौड़ती हुई निकली, जिसका ध्यान उस ओर तक ना गया कि राजा बैठा है। ना जाने कहां जाने की जल्दी थी। वह राजा से टकराती हुई निकल गई। राजा का ध्यान भंग हो गया उसे बहुत गुस्सा आया। उसने तुरंत शिविर मैं लौटकर आदेश दिया। उस औरत को ढूंढ कर लाया जाए जिसने ये गुस्ताखी की है। उस युवती को इतना भी नहीं दिखा कि देश का राजा ध्यान में बैठा है और वह उसे कुचलती हुई चली जा रही है। सिपाही गए और थोड़ी ही देर में उस युवती को पकड़कर ले आए। राजा ने उस युवती से कहा- बदतमीज लड़की इतना भी नहीं जानती कि ध्यान में बैठे हुए व्यक्ति को इस तरह धक्का लगाकर उसका ध्यान भंग करना कितना बड़ा पाप है। उस युवती ने राजा को पहले ऊपर से नीचे तक देखा और कहा - आपको धक्का लगा जरूर होगा लेकिन मुझे याद नहीं। मैं अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी। मुझे कुछ नहीं पता कि आप कहां ध्यान लगा रहे थे लेकिन मुझे आश्चर्य होता है कि मैं तो अपने प्रेमी से मिलने जा रही थी।

मेरा ध्यान सिर्फ अपने प्रेमी से मिलने पर केंद्रित था। मुझे पता ही नहीं चला कि आप परमात्मा के ध्यान में बैठे हैं। आपको मेरा पता चल गया? राजा को उसकी बात समझ आ गई और उसने उसे छोड़ दिया। क्योंकि यह साबित हो गया थी कि राजा के मन में वह समर्पण का भाव नहीं था जो उस प्रेमिका में था। उसके प्रेम में वह तीव्रता और वलंतता थी जिसने राजा को सोचने पर मजबूर कर दिया।

विचार मंथन

यूरोपीय देशों ने दी यक्रेन को 40000 करोड़ की मदद

(लेखक- सनत जैन)

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों सारे देश और दुनिया में चर्चा का विषय बने हुए हैं। ट्रंप जिस तरह से अमेरिका की नीतियों और यूरोपीय देशों की उपेक्षा करते हुए अपने व्यापारिक उद्देश्य को पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं, उसके कारण अमेरिका और यूरोप के देशों में ट्रंप के खिलाफ रोष देखने को मिल रहा है। जिसका व्यापक असर अमेरिका के राज्यों और यूरोपीय देशों के बीच दिखना शुरू हो गया है। ट्रंप ने जिस तरह का व्यवहार यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ किया है, उसे यूरोप और नाटो देशों ने पसंद नहीं किया। अमेरिका से जेलेंसकी के लंदन लौटने के बाद ब्रिटेन में 27 देशों के प्रतिनिधि यूक्रेन के समर्थन में होने वाली बैठक में शामिल हुए। सभी देशों ने मिलकर युद्धग्रस्त यूक्रेन की सहायता करने के लिए 40000 करोड़ रुपए की तुरंत सहायता यूक्रेन को देने की घोषणा की। यूरोप और नाटो संगठन के देशों में प्रतिबंध के बाद रूस के लगभग 40000 करोड रुपए यूरोपीय देशों के पास जमा थे। उस पैसे को तुरंत यूक्रेन को मदद के रूप में देने का फैसला यूरोप के देशों ने किया। इसे एक ऐतिहासिक फैसला माना जा सकता है। यूरोप को अपनी सुरक्षा के लिए ऐसा निर्णय लेना पड़ा। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध रोकने के लिए जिस तरह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक तरफा शर्तें यूक्रेन के ऊपर लाद रहे थे, नाटो देशों को शांतिवार्ता में शामिल नहीं कर रहे थे, उसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया अंतरराष्ट्रीय जगत में देखने को मिली है। यूरोप के देश चाहते हैं, शांति प्रयासों में अमेरिका के साथ यूरोप के देशों को भी शामिल किया जाए। लंदन समिट में यूरोप के 44 देश के 24 नेता व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए थे। जो इस बात को पुख्ता करते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा रूस और यूक्रेन के बीच में जो शांति स्थापित करने की कोशिश की जा रही है, उसके लिए जो शांति प्रस्ताव तैयार कर गुंडागर्दी की जा रही है, वह उसका विरोध करते हैं। पोलैंड के प्रधानमंत्री ने यहां तक कह दिया, 50 करोड़ यूरोपीय नागरिकों को हम अमेरिका के भरोसे नहीं छोड़ सकते हैं। 14 करोड़ रुसी, 50 करोड़ यूरोपीय नागरिकों पर जबरदस्ती नहीं कर सकते हैं। यूरोप के 44 देशों ने एकमत से प्रस्ताव पास किया है। वह रूस और अमेरिका के सामने सरेंडर नहीं करेंगे। अपनी लड़ाई खुद लड़ने में सक्षम हैं। यूरोप के देशों में रूस से ज्यादा गुस्सा अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर है। अमेरिका यूक्रेन और नाटो देशों के साथ जो समझौता हुआ था, उस समझौते से अमेरिका मुकर रहा है। जिसके कारण अब यूरोप के देश संगठित होकर यूक्रेन के साथ खड़े हो गए हैं। वैश्विक स्तर पर जो घटना देखने को मिल रही है। उसके बाद यही कहा जा सकता है, कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जल्द ही यूरोप और नाटो देशों के साथ वार्ता नहीं की, तो अमेरिका पूरी तरह से अलग-थलग पड़ सकता है। पिछले दो माह में जिस तरह के निर्णय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लिए हैं, उसके कारण अमेरिका के राज्यों में भी डोनाल्ड ट्रंप के प्रति विद्रोह शुरू हो गया है। एलन मस्क के खिलाफ अमेरिका में जगह-जगह विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। उप राष्ट्रपति बेंस के खिलाफ भी आंदोलन प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। ऐसी स्थिति में डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक एवं प्रशासनिक स्थिति अमेरिका में कमजोर हो रही है। अमेरिका में यह आमराय बनती चली जा रही है, डोनाल्ड ट्रंप अपने मित्र एलन मस्क के साथ मिलकर व्यापारिक एजेंडा पूरा कर रहे हैं। जिसके कारण अमेरिकी हितों को नुकसान हो रहा है। ट्रंप ने जिस तरह से क्रिप्टो करेंसी को बढ़ावा देना शुरू किया है। उन्होंने खुद की क्रिप्टो करेंसी जारी की है। जिसके कारण अमेरिकी डॉलर के ऊपर सबसे ज्यादा प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं। दुनिया भर के देश डॉलर का विकल्प ढूंढ रहे हैं। ऐसी स्थिति में आने वाले समय में अमेरिका और डोनाल्ड ट्रंप के लिए मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। यही कहा जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आने वाले वर्षों में सोने की प्रासंगिकता बढ़ेगी- नागेश्वरन

नई दिल्ली । मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि आने वाले वर्षों में परिसंपत्ति वर्ग के रूप में सोने की प्रासंगिकता बढ़ेगी। उन्होंने आईजीपीसी - आईआईएमए वार्षिक स्वर्ण और स्वर्ण बाजार सम्मेलन 2025 में कहा कि सोना न केवल मूल्य के रूप में, सांस्कृतिक और धार्मिक उद्देश्यों के रूप में, बल्कि एक महत्वपूर्ण पोर्टफोलियो विविधीकरण तंत्र के रूप में भी प्रासंगिक बना रहेगा। उन्होंने कहा कि जब तक कि दुनिया मौजूदा अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक गैर-प्रणाली से अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक प्रणाली तक पहुंचने में सक्षम नहीं हो जाती, तब तक परिसंपत्ति वर्ग के रूप में सोने का महत्व बना रहेगा। पिछले तीन महीनों में सोने का मूल्य 200 डॉलर प्रति औंस या आठ प्रतिशत से अधिक बढ़कर 2,860 डॉलर प्रति औंस हो गया है। नागेश्वरन ने यह भी उम्मीद जताई कि भारत अपने पास मौजूद सोने की परिसंपत्तियों को उत्पादक रूप से उपयोग करने के तरीके खोजेगा।

फरवरी में हीरो मोटोकॉर्प की बिक्री 17 फीसदी घटी

नई दिल्ली । हीरो मोटोकॉर्प ने सोमवार को कहा कि फरवरी में उसकी कुल बिक्री सालाना आधार पर 17 प्रतिशत घटकर 3,88,068 इकाई रह गई। कंपनी ने पिछले साल फरवरी में 4,68,410 इकाइयां बेची थीं। दोपहिया वाहन विनिर्माता ने एक बयान में कहा कि पिछले महीने डीलरों को घरेलू आपूर्ति 3,57,296 इकाई रही, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह आंकड़ा 4,45,257 इकाई था। पिछले महीने निर्यात बढ़कर 30,772 इकाई हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 23,153 इकाई था। कंपनी ने शादी के मौसम और नए उत्पादों की पेशकश के कारण आगामी महीनों में बिक्री बढ़ने की उम्मीद जताई।

चीन के कारखानों को मिलने वाले ऑर्डर में हुई बढ़ोतरी

बीजिंग । चीन के विनिर्माताओं का कहना है कि फरवरी में उन्हें मिलने वाले ऑर्डर में बढ़ोतरी हुई है। कारोबारियों के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन के सामान पर अधिक शुल्क लगाने की घोषणा से बचने के लिए आयातकों ने अपने ऑर्डर बढ़ाए। ट्रंप ने पहले चीन से आयात पर 10 प्रतिशत का शुल्क लगाया था और यह मंगलवार से बढ़कर 20 प्रतिशत हो जाएगा। कारखाना प्रबंधकों के बीच किए गए सर्वेक्षण के मुताबिक चीन का आधिकारिक क्रय प्रबंधक सूचकांक जनवरी में 49 प्रतिशत से बढ़कर 50.2 प्रतिशत हो गया। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि स्थिर औद्योगिक उत्पादन से पता चलता है कि सरकारी खर्च ने पिछले महीने व्यावसायिक गतिविधियों का समर्थन किया।

भारत से आ रही नदी से सोना निकालेगा पाकिस्तान

- 800 अरब के खजाने के लिए बनाया बड़ा प्लान

इस्लामाबाद । सिंधु नदी भारत से होकर गुजरती है और पाकिस्तान के लिए एक अनमोल विरासत है। पाकिस्तान सरकार के नेस्पेक और पंजाब प्रांत के खान और खनिज विभाग ने अटक प्लेसर गोल्ड परियोजना का आयोजन किया है। नदी की घाटी में सैकड़ों अरब पाकिस्तानी रुपये का सोने का भंडार होने की संभावना है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार नेस्पेक ने सिंधु नदी के किनारे 9 प्लेसर गोल्ड ब्लॉक्स के लिए बोली दस्तावेज तैयार किए हैं। इस स्थान पर खानन सेक्टर में वैश्विक खनन उद्योग का प्रमुख खिलाड़ी बनने की संभावना है। इस साल, पाकिस्तान की रिपोर्ट में कहा गया कि पंजाब के अटक के पास 800 रुपये का सोने का भंडार हो सकता है। इसके बाद, खैबर पख्तूनखवा में नौशेरा के पास सोने की लूट शुरू हो गई है। अभी तक खुदाई नहीं शुरू हुई है, लेकिन खनन ठेकेदार इस भंडार को उड़ाने के लिए तैयार हैं। सिंधु नदी से आने वाला सोना प्लेसर गोल्ड कहलाता है जिसके टुकड़े चपटे या पूरी तरह गोल मिलते हैं।

एआई युग में भारत रहेगा सबसे आगे : पीयूष गोयल

मुंबई ।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मोदी सरकार की दमदार नीतियों के कारण उद्यमियों और इनोवेटर्स को नई डिजिटल लहर का लाभ उठाने में मदद मिलेगी, जिससे भारत एआई युग में सबसे आगे रहेगा। मुंबई टेक वीक 2025 में अपनी बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा` कि मुझे पूरा विश्वास है कि आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर, पूंजी और कौशल उपलब्धता में किए जा रहे निवेश के साथ मुंबई भारत का टेक हब बन सकता है। केंद्रीय मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, मुंबई टेक वीक 2025 में शानदार बातचीत हुई, जहां मुझे एआई को अपनाने और इसके नैतिक उपयोग में योगदान देने में भारत के लाभ के बारे में विस्तार से बोलने का मौका मिला। भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने में लीडरशिप पोजीशन स्थापित कर रहा है। देश ने 2024 में 3 बिलियन एआई-रिलेटेड-ऐप डाउनलोड दर्ज किए, जो अमेरिका के 1.5 बिलियन और चीन के 1.3 बिलियन की संख्या से कहीं आगे था। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला के अनुसार यह दर्शाता है कि भारत यूज केस कैपिटल ऑफ एआई है, जिसका अर्थ है कि देश केवल एआई के बारे में केवल बात ही नहीं कर रहा है या एआई में केवल रिसर्च ही नहीं कर रहा है; यह असल में इसे बड़े पैमाने पर लागू भी कर रहा है। पिछले महीने पेरिस में एआई एक्शन समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बारे में बात की कि कैसे एआई केवल एक राष्ट्रीय मुद्दा नहीं बल्कि एक वैश्विक जिम्मेदारी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एक ऐसा एआई होना बहुत जरूरी है जो नैतिक, इंक्लूसिव और भरोसेमंद हो। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि दुनिया एआई युग की शुरुआत में थी, जहां यह टेक्नोलॉजी तेजी से मानवता के लिए कोड लिख रही थी और हमारी राजनीति, अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और समाज को नया आकार दे रही थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने अनुभव साझा करने के लिए तैयार है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एआई का लाभ सभी तक पहुंचे। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी घोषणा की कि भारत अगले एआई सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

बजाज ऑटो की बिक्री फरवरी में दो प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली ।

बजाज ऑटो की फरवरी 2025 में कुल बिक्री सालाना आधार पर दो प्रतिशत बढ़कर 3,52,071 इकाई हो गई। बजाज ऑटो ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने फरवरी 2024 में कुल 3,46,662 इकाइयां बेची थीं। कंपनी ने कहा कि पिछले महीने कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री दो प्रतिशत बढ़कर 2,99,418 इकाई रही, जो एक साल पहले इसी अवधि में 2,94,684 इकाई थी। कंपनी ने कहा कि घरेलू दोपहिया वाहनों की बिक्री 14 प्रतिशत घटकर 1,46,138 इकाई रह गई। पिछले महीने दोपहिया वाहनों का निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 1,53,280 इकाई हो गया। बजाज ऑटो ने कहा कि समीक्षाधीन अवधि में उसके वाणिज्यिक वाहनों की कुल बिक्री एक प्रतिशत बढ़कर 52,653 इकाई हो गई।

सेबी के नए प्रस्ताव से बीएसई के शेयरों में गिरावट

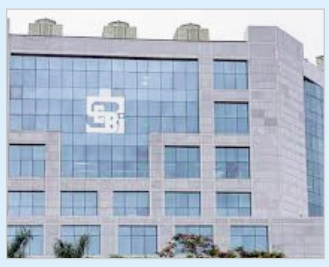

मुंबई । बाजार से जुड़े रिस्क को लेकर सेबी ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के शेयरों पर दबाव बना दिया है। इसके अलावा एक वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने इस प्रस्ताव के कारण बीएसई के टारगेट प्राइस में करीब 14 फीसदी की कटौती कर दी, जिससे शेयरों में बड़ी गिरावट देखी गई। फिलहाल बीएसई का शेयर 3.47 फीसदी गिरकर 4,473.05 रुपए पर कर रहा है, जबकि इंट्रा-डे में यह 5.14 फीसदी तक गिरकर 4,395.70 रुपए के स्तर तक पहुंच गया था। ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि सेबी के प्रस्ताव से कैश इक्विटी टर्नओवर के मुकाबले इंडस्ट्री का ऑप्शंस प्रीमियम घटकर 0.4 से 0.3 पर आ जाएगा। इसके चलते इंडेक्स ऑप्शंस कॉन्ट्रैक्ट पर ट्रेड होने वाले औसतन डेली प्रीमियम की मार्केट में हिस्सेदारी 30 फीसदी पार कर जाए, ऐसा मुश्किल हो जाएगा। फरवरी में यह आंकड़ा 22 फीसदी था। ऐसे में ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि प्रप्राइइटेरी ट्रेडर्स की एक्टिविटी कम हो सकती है और इसका झटका बीएसई के शेयरों पर दिख सकता है क्योंकि बीएसई के औसतन डेली टर्नओवर का करीब 70 फीसदी इन्हीं से आता है। इन सब बातों को देखते हुए ब्रोकरेज फर्म ने टारगेट प्राइस 5,650 रुपए से घटाकर 4,880 रुपए कर दिया है। हालांकि न्यूट्रल रेटिंग बरकरार रखा है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दूनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौर दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे हैवीवेट शेयरों के साथ विदेशी निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार गिरा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में सेंसेक्स 112.16 अंक करीब 0.15 फीसदी टूटकर 73,085.94 पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में 5.40 अंक तकरीबन 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ ही 22,119.30 पर बंद हुआ।

जानकारों के अनुसार वैश्विक स्तर पर अनिश्चताओं के कारण बाजार में कमजोरी आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प की टैरिफ लगाने की घोषणाओं से बाजार में संशय का माहौल है। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी के शेयरों में बिकवाली से भी बाजार नीचे आया है।

वहीं गत माह फरवरी में निवेशकों को 40 लाख करोड़ का नुकसान हुआ।

बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकरण पिछले महीने में 40 लाख करोड़ रुपये घट गया। 31 जनवरी को बाजार बंद होने के बाद बीएसई में लिस्टेड सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 424,99,887 करोड़ रुपये था। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत बढ़त पर हुई लेकिन ये कुछ समय बाद ही नीचे आने लगा। सुबह बीएसई सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक चढ़कर 73,427 अंक पर खुला। यह 73,649 अंक तक चढ़ गया था। हालांकि, कारोबार शुरू होने के आधे घंटे के बाद यह लाल निशान में फिसल गया। जिसके बाद सेंसेक्स 235.54 अंक गिरकर 72,962.56 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी मजबूती के साथ 22,194 अंक पर खुला। हालांकि, कुछ ही देर में यह भी लाल निशान में चला गया। अन्य बाजारों की बात करें तो वहीं एशिया-प्रशांत के शेयर बाजारों में सोमवार को तेजी देखी गई, क्योंकि निवेशक इस सप्ताह अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा घोषित किए जाने वाले टैरिफ योजनाओं को लेकर स्पष्टता का इंतजार कर रहे हैं। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.67 फीसदी चढ़ा, जबकि व्यापक टॉपिक्स इंडेक्स में 0.75 फीसदी की बढ़त देखी गई। ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 इंडेक्स भी 0.22 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार करता दिखा। हालांकि, दक्षिण कोरिया के बाजार सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद रहे। अमेरिकी बाजारों में भी मजबूती देखने को मिली, जहां एसएंडपी 500 में 1.59 फीसदी, डॉव जोन्स में 1.39 फीसदी और नैस्डैक में 1.63 फीसदी की बढ़त रही।

लगातार बढ़ रही है म्युचुअल फंड के नए निवेशकों की संख्या

- बाजार में गिरावट के बीच हर महीने जोड़े 8 लाख नए निवेशक

नई दिल्ली ।

म्युचुअल फंड इंडस्ट्री में नए निवेशकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। भले ही इक्विटी स्कीम्स के रिटर्न बाजार में तेज गिरावट के कारण प्रभावित हुए हों। नवंबर 2024 से जनवरी 2025 के बीच, इंडस्ट्री ने हर महीने 8 लाख (0.8 मिलियन) नए निवेशक जोड़े, जिससे कुल यूनिक निवेशकों की संख्या 5.33 करोड़ तक पहुंच गई। पिछले छह महीनों में हर महीने औसतन 10 लाख नए निवेशक जुड़ रहे थे, लेकिन अब यह रफ्तार थोड़ी कम हो गई है। हालांकि, म्युचुअल फंड इंडस्ट्री को अभी भी लॉन्ग टर्म में विस्तार पर पूरा भरोसा है। एमएफ इंडस्ट्री यूनिक निवेशकों को उनके म्युचुअल फंड स्कीम्स में रजिस्टर्ड परमानेंट अकाउंट नंबर के आधार पर ट्रैक करती है। सितंबर 2024 तक खत्म हुए 12 महीनों में, म्युचुअल फंड इंडस्ट्री ने रिकॉर्ड गति से नए निवेशक जोड़े, जिससे निवेशकों की संख्या 4 करोड़ से बढ़कर 5 करोड़ हो गई। इस तेज बढ़ोतरी का कारण मजबूत इक्विटी बाजार और नए इक्विटी फंड लॉन्च की लहर रही। अब इंडस्ट्री का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में निवेशकों की संख्या दोगुनी कर 10 करोड़ तक पहुंचने का है। हालांकि नए निवेशक जुड़ रहे हैं, लेकिन मौजूदा निवेश खातों के बंद होने की संख्या बढ़ रही है। जनवरी 2025 में वर्षों बाद पहली बार सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) अकाउंट्स में गिरावट देखी गई, क्योंकि बंद होने की संख्या में तेज बढ़ोतरी हुई। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस ट्रेंड की वजह यह है कि निवेशक बाजार में गिरावट और कमजोर इक्विटी म्युचुअल फंड रिटर्न के बीच अपनी स्थिति पर दोबारा विचार कर रहे हैं।

विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर फरवरी में 14 महीने के निचले स्तर पर: पीएमआई

नई दिल्ली । नये ठेके और उत्पादन में गिरावट के बीच फरवरी में भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर 14 महीने के निचले स्तर पर आ गई। एक मासिक सर्वेक्षण में सोमवार को यह जानकारी दी गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) फरवरी में 56.3 अंक पर रहा, जो जनवरी के 57.7 अंक से कम है। हालांकि, विनिर्माण पीएमआई विस्तारकारी क्षेत्र में बना हुआ है। पीएमआई की भाषा में 50 से ऊपर अंक विस्तार, जबकि 50 से नीचे का अंक गतिविधियों में संकुचन का संकेत है। एचएसबीसी के भारत में एक मुख्य अर्थशास्त्री ने कह कि हालांकि, दिसंबर 2023 के बाद से उत्पादन वृद्धि सबसे कमजोर स्तर पर आ गई है, लेकिन भारत के विनिर्माण क्षेत्र में कुल मिलाकर गति फरवरी में व्यापक रूप से सकारात्मक रही। सर्वेक्षण में कहा गया कि जनवरी के 14 साल के उच्चतम स्तर से कम होने के बावजूद विस्तार की गति तेज थी। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया कि फरवरी में नए निर्यात ऑर्डर में जोरदार वृद्धि हुई, क्योंकि निर्माताओं ने अपने माल की मजबूत वैश्विक मांग का लाभ उठाना जारी रखा। नौकरी के मोर्चे पर, विनिर्माताओं ने फरवरी में अपने कर्मचारियों की संख्या में विस्तार करना जारी रखा।

आईफोन 15 फोन पर चल रहे हैं कार्ड डिस्काउंट

नई दिल्ली ।

अगर आप आईफोन खरीदने के बारे में सोच रहे हैं, यह समय आपके लिए उपयुक्त है। वर्तमान में आईफोन 15 फोन पर कार्ड डिस्काउंट चल रहे हैं। इसकी वजह से फोन की कीमत ज्यादा डाउन हो गई है। आप भी इसे खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो हम कुछ टिप्स देने जा रहे हैं।

एप्पल आईफोन 15 (128जीबी) की एमआरपी 69,900 रुपए है, लेकिन आप इसे फ्लिपकार्ट पर 7प्रतिशत डिस्काउंट के बाद 64,999 रुपए में खरीद सकते हैं। साथ ही इस पर कार्ड डिस्काउंट भी अलग से चल रहे हैं। फोनपे यूपीआई ट्रांजैक्शन पर करीब 1प्रतिशत का डिस्काउंट मिल सकता है। लीपकार्ट एक्सीस कार्ड से पेमेंट करेंगे तो 5 प्रतिशत का अनलिमिटेड कैशबैक मिलता है। आईडीएफसी फ्रस्ट पावर वूमेन प्लेटिनियम कार्ड से पेमेंट करने पर 5 प्रतिशत का डिस्काउंट मिल सकता है। ऐसे में आपको अलग-अलग डिस्काउंट ऑफर्स हासिल करने पर काफी सस्ता मिल सकता है। पुराना फोन वापस करने पर आपको अलग से डिस्काउंट मिल सकता है।

इसे एक्सचेंज ऑफर का नाम दिया गया है। एक्सचेंज ऑफर के तहत आपको ये फोन 39,150 रुपए सस्ता मिल सकता है। लेकिन इतना सस्ता फोन हासिल करने के लिए आपके पुराने फोन की कंडीशन ठीक होनी चाहिए और ये पुराने फोन के मॉडल पर भी डिपेंड करता है। अगर ये डिस्काउंट भी आपको पूरा मिल जाता है तो आईफोन 15 आपको महज 25,849 रुपए में मिल सकता है। फोन की कंपनी की तरफ से 1 साल की वारंटी मिल रही है। आईफोन 15 के फीचर्स को लेकर आपको ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है। इस फोन में 6.1 इंच सुपर रेटिना एक्सडीआर डिस्प्ले दिया जाता है। फोन में डुअल रियर कैमरा दिया जाता है जिसका प्राइमरी कैमरा 48एमपी मिलता है।

साथ ही आईफोन 15 में 12एमपी फ्रंट कैमरा मिलता है। इसकी मदद से आपके लिए सेल्फी या शॉर्ट वीडियो शूट करना आसान हो जाता है।

तमिलनाडु में विनिर्माण इकाई लगाने जमीन तलाश रही है टेस्ला

- दक्षिण भारत में ईवी के लिए परिवेश और लक्जरी कारों की मांग सबसे ज्यादा

नई दिल्ली ।

वाहन क्षेत्र की वैश्विक कंपनी टेस्ला द्वारा दक्षिण भारत के तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में अपनी विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए जमीन की तलाश कर रही है। इस बीच उद्योग और सरकारी विशेषज्ञ इस बात का संकेत दे रहे हैं कि इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के बेहतर रूप से विकसित पारिस्थितिकी तंत्र और प्रीमियम वाहनों की बढ़ती मांग अमेरिका की इस लग्जरी कार विनिर्माता को इस क्षेत्र में आकर्षित कर रही है। कंपनी महाराष्ट्र और गुजरात में भी जमीन तलाश रही है लेकिन विशेषज्ञों की बात पर भरोसा करें तो लक्जरी वाहन विनिर्माताओं की बढ़ती मांग का बड़ा हिस्सा दक्षिण भारत से आ रहा है। आंध्र प्रदेश सरकार के एक सूत्र ने कहा कि दक्षिण भारत में ईवी के लिए परिवेश और लक्जरी कारों की मांग सबसे ज्यादा है इसी वजह से टेस्ला हमसे बातचीत कर रही है। 2024 में दक्षिण भारत में लक्जरी श्रेणी के वाहनों की बिक्री में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई और तमिलनाडु में 2022-23 की तुलना में प्रीमियम कार पंजीकरण में 19.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। बेंगलूर में भी पिछले साल अल्ट्रा-लक्जरी कार बाजार में 35 फीसदी का इजाफा हुआ है। देश की इलेक्ट्रिक वाहनों की कुल बिक्री में 45 फीसदी हिस्सेदारी दक्षिण भारत की है। इसकी मुख्य वजह तमिलनाडु में मूल उपकरण विनिर्माताओं, कलपुर्जा आपूर्तिकर्ताओं और बैटरी विनिर्माण इकाइयों के लिए दमदार परिवेश की मौजूदगी है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने हाल ही में अपने 25 शोरूम को लक्जरी लाउंज में बदलने के लिए 150 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है और मुख्य ध्यान महानगरों और मझोले शहरों पर होगा। लेम्बोर्गिनी ने भी दक्षिण में अपनी डीलरशिप विस्तार की योजना बनाई है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि भारत में बिकने वाले सभी इलेक्ट्रिक वाहनों में से 40 फीसदी तमिलनाडु में बनते हैं।

किआ ने पहला मॉडल पीवी5 किया पेश

नई दिल्ली ।

अपनी बियॉन्ड व्हीकल (पीबीवी) रणनीति के तहत कार बनाने वाली कंपनी किआ ने पहला मॉडल पीवी5 पेश किया है। पीवी5 मॉडल को स्पेन के टैरागोना में आयोजित 2025 किआ ईवी दिवस पर प्रदर्शित किया गया।

पीवी5 कोरिया और यूरोप में 2025 की दूसरी छमाही में लॉन्च होगा, जबकि अन्य बाजारों में 2026 में आएगा। इसकी प्री-बुकिंग 2025 की पहली छमाही में शुरू होने की उम्मीद है। यह ई-जीएमपी.एस प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जो बैटरी-इलेक्ट्रिक स्केटबोर्ड आर्किटेक्चर का उपयोग करता है। इसका मॉड्यूलर डिज़ाइन इसे यात्री परिवहन, कार्गो डिलीवरी और अन्य विशेष रूपांतरणों के लिए उपयुक्त बनाता है।पीवी5 को तीन बॉडी स्टाइल - पैसेंजर, कार्गो और चेसिस कैब में पेश किया जाएगा। इसके अलावा, व्हीलचेयर सुलभ मॉडल , बॉक्स वैन और लाइट कैंपर जैसे व्यावसायिक रूपांतरण विकल्प भी उपलब्ध होंगे। इसमें 51.5केडब्ल्यूएच या 71.2केडब्ल्यूएच एनसीएम बैटरी के विकल्प मिलेंगे, जबकि कार्गो वेरिएंट के लिए 43.3केडब्ल्यूएच एलएफपी बैटरी दी जाएगी।

इसकी 120 केडब्ल्यू फ्रंट मोटर 250 एनएम टॉर्क उत्पन्न करती है और 400 किमी तक की रेंज प्रदान करती है। फास्ट चार्जिंग तकनीक के तहत यह 30 मिनट में 10-80प्रतिशत तक चार्ज हो सकता है। पीवी5 में एंड्रॉइड ऑटोमोटिव ओएस-आधारित इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलेगा, जो ओवर-द-एयर (ओटीए) अपडेट और स्मार्ट कनेक्टिविटी प्रदान करता है। इसके वाहन-से-लोड (वी2एल) क्षमता के जरिए बाहरी उपकरणों को सीधे वाहन से पावर दी जा सकती है।

पैसे नहीं डाले जाने पर बंद हो सकते हैं ये अकाउंट्स

नई दिल्ली ।

पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (पीपीएफ) और सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाय) अकाउंट में अगर चालू वित्त वर्ष में इनमें पैसे नहीं डाल पाए, तो अकाउंट एक्टिव रखने के लिए 31 मार्च 2025 तक कुछ रुपए जरूर डाल दें। इन अकाउंट में पैसे नहीं डाले जाने पर ये अकाउंट्स बंद हो सकते हैं। अगर न्यूनतम जरूरी रकम नहीं डाली, तो इन्हें दोबारा एक्टिव करवाने के लिए आपको जुर्माना देना पड़ेगा। आपको अपनी इन योजनाओं में मिनिमम निवेश बनाए रखना होता है ताकि यह पता चल सके कि आपका खाता एक्टिव है। पब्लिक प्रोविडेंट फंड अकाउंट रखने वालों के लिए मिनिमम डिपॉजिट 500 रुपए है यानी आपको इसमें एक वित्त वर्ष में कम से कम 500 रुपए का निवेश करना होता है। ऐसा न करने पर आपका खाता बंद हो सकता है। इसमें पैसा डालने की आखिरी तारीख 31 मार्च 2023 है तो आप उससे पहले ये मिनिमम बैलेंस डाल दें। पीपीएफ अकाउंट पर अभी 7.1 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। सुकन्या समृद्धि योजना सुकन्या समृद्धि योजना में अगर अकाउंट है तो आपको हर वर्ष में मिनिमम 250 रुपए जमा करने होते हैं। अगर आप यह पैसा नहीं जमा करते हैं तो आपको 50 रुपए जुर्माना देना पड़ेगा। सुकन्या समृद्धि योजना अकाउंट पर अभी 8.2प्रतिशत ब्याज मिल रहा है।

टैक्स छूट का मिलता है फायदा इन दोनों ही स्कीम्स में निवेश करने पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट का फायदा लिया जा सकता है। इसके तहत 1.5 लाख रुपए तक के सालाना निवेश पर आप टैक्स छूट पा सकते हैं। आसान भाषा में इसे ऐसे समझें, आप धारा 80सी के माध्यम से अपनी कुल कर योग्य आय से 1.5 लाख रुपए तक कम कर सकते हैं। बता दें कि अकाउंट में ग्राहक को मिनिमम अमाउंट जमा करना होता है। अगर आप आखिरी तारीख तक पैसा नहीं डालते हैं तो आपको हर साल के हिसाब से 50 रुपए जुर्माना देना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में पिछली गलतियों से सबक लेकर जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इसमें जीत दर्ज कर पिछली असफलताओं का हिसाब बराबर करना रहेगा। आईसीसी टूर्नामेंटों में ऑस्ट्रेलियाई टीम अधिकतर भारत पर हावी रही है। भारतीय टीम को इससे पहले 2023 एकदिवसीय विश्वकप फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस बार ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने प्रमुख गेंदबाजों के बिना पहुंची है जिसका लाभ भारतीय टीम को मिल सकता है।

तेज गेंदबाज पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क जैसे तेज गेंदबाज ऑस्ट्रेलियाई टीम में नहीं है। कमिंस के नहीं होने टीम की कप्तानी स्वीव स्मिथ के पास है हालांकि इसके बाद भी ऑस्ट्रेलिया को कम नहीं आंका जा सकता। कुछ दिन पहले लाहौर में इंग्लैंड के खिलाफ 352 रन के लक्ष्य को हासिल करके उसने साबित कर दिया है कि वह आईसीसी टूर्नामेंटों में खतरनाक हो जाती है। भारत को अंतिम बार आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में ऑस्ट्रेलिया पर जीत 2011 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मिली थी। इसके बाद भारत को ऑस्ट्रेलिया ने 2015 एकदिवसीय विश्व कप सेमीफाइनल और 2023 एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में हराया। इसके अलावा विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल 2023 में भी भारत को हार का समाना करना पड़ा था। ऐसे में इस बार भारतीय टीम कोई कमी नहीं छोड़ना चाहेगी। इस बार भारतीय टीम 14 साल की विफलता को दूर करने उतरेगी। भारतीय टीम के पास इस बार अच्छा स्पिन आक्रमण है जिसका सामना कंगारुओं के लिए कठिन होगा।

टूर्नामेंट से पहले टीम में वरुण चक्रवर्ती सहित पांच स्पिनरों को शामिल करने के भारतीय टीम के फैसले की काफी आलोचना हुई थी पर दुबई की धीमी पिचों पर अब यह प्रयोग सफल रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ स्पिनरों ने कुल 9 विकेट लिए थे हालांकि भारतीय टीम को अगर जीत हासिल करनी है तो उसके बल्लेबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी लीग मैच में 5 विकेट लेने वाले स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने कहा, 'यहां पिच रैंक टर्नर नहीं है जैसा कि लोग

बोल रहे हैं। इससे थोड़ी मदद जरूर मिली है लेकिन आपको अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तो करना ही है। भारतीय स्पिन चौकड़ी चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 9 विकेट लिए।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के पास एकमात्र विशेषज्ञ स्पिनर एडम जम्पा है। इसके अलावा ग्लेन मैक्सवेल और ट्रेविस हेड से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। मैथ्यू शॉर्ट पिंडली की चोट के कारण बाहर हो गए हैं जिससे ऑस्ट्रेलिया के पास से एक और स्पिन गेंदबाजी विकल्प चला गया।

भारतीय टीम के बल्लेबाजों विराट कोहली, रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल की ये सबसे कठिन परीक्षा होगी, ऑस्ट्रेलियाई टीम टूर्नामेंट बढ़ने के साथ ही खतरनाक होती जाती है। कप्तान रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के बाद कहा था, 'यह अच्छा मैच होगा। ऑस्ट्रेलिया का आईसीसी टूर्नामेंटों में अच्छा खेलने का इतिहास रहा है और अब हमें सब कुछ सही करना है। उम्मीद है कि हम ऐसा करने में कामयाब होंगे। भारतीय गेंदबाजों को ट्रेविस हेड और कप्तान स्टीव स्मिथ पर अंकुश लगाना होगा। इसके अलावा भारतीय बल्लेबाजों को जीत के लिए बड़ा स्कोर बनाना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल , विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल , हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, ऋषभ पंत , रविंद्र जड़ेजा, वरुण चक्रवर्ती।

ऑस्ट्रेलिया = स्टीव स्मिथ (कप्तान), सीन एबट, एलेक्स कैरी, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लाबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर संघा, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जम्पा।

ऑस्ट्रेलिया का आईसीसी टूर्नामेंट में रिकार्ड अच्छा, हमें गलतियों से बचना होगा : रोहित

दुबई (एजेंसी)। दुबई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से पहले कहा कि हमें जीत के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा और पुरानी गलतियों से बचना होगा। रोहित के अनुसार ऑस्ट्रेलियाई टीम का रिकार्ड आईसीसी टूर्नामेंटों में अच्छा रहा है। इसलिए हमें काफी ध्यान से खेलते हुए मैच पर अपना नियंत्रण बनाये रखना होगा। रोहित ने कहा कि हमें बेहतर प्रदर्शन के लिए मैच पर नियंत्रण बनाये रखना होगा। भारतीय टीम ने ग्रुप चरण के अंतिम मैच में न्यूजीलैंड को 44 रन से हराकर ग्रुप ए में नंबर एक स्थान हासिल किया है। अब सेमीफाइनल में भारतीय टीम का सामना ग्रुप बी की दूसरे स्थान की टीम ऑस्ट्रेलिया से होगा। ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के बाद आईसीसी वनडे विश्व कप के

रोहित ने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया का अच्छा खेलने का इतिहास रहा है, उसके खिलाफ हमें एकदिवसीय विश्वप में हार का सामना करना पड़ा था। इसलिए हमें मैच के दिन अपने नियंत्रण वाली चीजें सही करनी होंगी। हमें इस पर ध्यान केंद्रित करना होगा कि उस दिन हमें क्या करना है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कम मैचों वाले टूर्नामेंट में लय बनाए रखना सबसे अहम होता है। हमारी कोशिश हर मैच जीतने की रहेगी। गलतियां होती हैं पर उसे सुधारना सबसे जरुरी है।

रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मुकाबले को लेकर कहा कि श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल बीच चौथे विकेट के लिए हुई 98 रन की साझेदारी अहम रही। साथ ही कहा कि हमें अपने बनाये स्कोर के बचाव का भरोसा था। उन्होंने स्पिनर वरुण चक्रवर्ती की सराहना करते हुए कहा कि उसके पास कुछ अलग है, हम देखना चाहते थे कि वह इन हालातों में क्या कर सकते हैं। हमें अगले मैच में टीम चयन के बारे में सोचना होगा।

चैम्पियंस ट्रॉफी में हुई घटनओं से सभी को समझ आया भारतीय टीम पाक नहीं भेजने का कारण : गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि जिस प्रकार की घटनाएं चैम्पियंस ट्रॉफी में हुई हैं। उससे सभी को पता चल गया है कि भारतीय टीम को क्यों पाकिस्तान नहीं भेजा गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सुरक्षा कारणों से चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने से मना कर दिया था, जिसके कारण भारतीय टीम अपने मुकाबले दुबई में खेली रही है। वहीं अन्य टीमें अपने मुकाबले पाकिस्तान में खेल रही हैं। गावस्कर ने कहा, इस टूर्नामेंट में भी, हमने देखा कि किस प्रकार एक नहीं दो मैचों में लोग सुरक्षा तोड़कर मैदान में घुसने में सफल रहे, जब मैच चल रहा था। बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के मैच के जो

हुआ उसे देखकर कोई भी सरकार भारतीय टीम को पाकिस्तान जाने की अनुमति नहीं दे सकती थी। इस मैच में एक व्यक्ति ने न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र को पकड़ लिया था। वहीं अफगानिस्तान और इंग्लैंड मैच में भी एक व्यक्ति खिलाड़ियों तक पहुंच गया था। वहीं जब गावस्कर ने पूछा गया कि भारतीय टीम कब पाक के साथ सीरीज खेलेगी तो उन्होंने कहा कि भारत-पाक सीमा पर जब तक शांति नहीं होती। ऐसी किसी सीरीज की संभावना नहीं है। गावस्कर ने कहा, यह बहुत सरल है। अगर सीमा पर शांति है, तो मुझे लगता है कि दोनों सरकारें निश्चित रूप से कहेंगी, देखो, ठीक है, कोई घटना नहीं हुई है, तो चलो कम से कम बात करना शुरू करें।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2025 के लिए नए कप्तान और उप-कप्तान की घोषणा की

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने आगामी आईपीएल 2025 सत्र के लिए अजिंक्य रहाणे को कप्तान और वेंकटेश अय्यर को उप-कप्तान घोषित किया है।

केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने कहा, 'हम अजिंक्य रहाणे जैसे खिलाड़ी को पाकर खुश हैं, जो एक नेता के रूप में अपने अनुभव और परिपक्वता के साथ आते हैं। साथ ही वेंकटेश अय्यर केकेआर के लिए एक फ्रैंचाइजी खिलाड़ी रहे हैं और उनमें नेतृत्व के कई गुण हैं। हमें विश्वास है कि वे हमारे खिताब की रक्षा शुरू करने के साथ ही अच्छा तालमेल बिठाएंगे।' वेंकटेश को केकेआर ने नीलामी में 23.75 करोड़ रुपए में खरीदा था, जबकि रहाणे को 1.5 करोड़ रुपए में खरीदा गया था।

नेतृत्व की भूमिका स्वीकार करते हुए रहाणे ने कहा, 'केकेआर का नेतृत्व करने के लिए कहा जाना सम्मान की बात है, जो आईपीएल में सबसे सफल फ्रेंचाइजी में से एक रही है। मुझे लगता है कि हमारे पास एक बेहतरीन

और संतुलित टीम है। मैं सभी के साथ मिलकर काम करने और अपने खिताब को बचाने की चुनौती लेने के लिए उत्सुक हूं। केकेआर अपने अभियान की शुरुआत 22 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ करेगी।

महिला मुक्केबाज स्वीटी ने अपने पति कबड्डी खिलाड़ी दीपक हुड्डा के खिलाफ दर्ज करायी शिकायत

चंडीगढ़ । महिला मुक्केबाज स्वीटी बूरा और उनके पति कबड्डी खिलाड़ी दीपक हुड्डा के बीच तलाक की नौबत आ गयी है। स्वीटी ने दीपक के खिलाफ मारपीट और दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज कराया है। इन दोनो की शादी साल 2022 में हुई थी पर पिछले कुछ समय से दोनो के बीच कुछ ठीक नहीं चल रहा। स्वीती 2024 हरियाणा विधानसभा चुनावों में भाजपा प्रत्याशी के रूप में उतरी थीं पर वह हार गयीं थीं। हिसार पुलिस के अनुसार स्वीती की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है और दीपक हुड्डा को पूछताछ के लिए नोटिस भेजा गया था, हालांकि वह तक पेश नहीं हुए हैं। वहीं दीपक ने कहा, मुझे पुलिस ने 2-3 बार नोटिस दिया पर मैं अभी नहीं जा सका। मैंने मेडिकल सर्टिफिकेट जमा कर दिया है और बाद में पुलिस के सामने पेश होने का अनुरोध किया है।स्वीती बूरा ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही उनसे एक लग्जरी कार की मांग की गई थी, जो पूरी भी की गई, लेकिन फिर भी उन्हें प्रताड़ित किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दीपक उन्हें मारते-पीटते थे और लगातार पैसों की मांग करते थे। पुलिस ने इसे मामले की जांच शुरु कर दी है।

न्यूजीलैंड सेमीफाइनल में त्रिकोणीय श्रृंखला के अनुभव का फायदा उठाना चाहेगा : लाथम

दुबई । अनुभवी बल्लेबाज टॉम लाथम ने कहा कि न्यूजीलैंड की टीम बुधवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में जब मैदान पर उतरेगी तो पाकिस्तान में खेली गई त्रिकोणीय श्रृंखला में इस टीम पर मिली जीत से उसका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ होगा। न्यूजीलैंड रविवार को यहां ग्रुप ए के अपने अंतिम मैच में भारत से 44 रन से हार गया, लेकिन लाथम ने कहा कि इसका सेमीफाइनल पर कोई असर नहीं पड़ेगा। न्यूजीलैंड ने हाल ही में लाहौर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 305 रनों के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा किया था। टीम ने इसके बाद फाइनल में पाकिस्तान को हराकर त्रिकोणीय श्रृंखला जीती थी। लाथम ने कहा कि ये अनुभव बुधवार को उनके लिए फायदेमंद साबित होंगे। उन्होंने कहा, 'हां, जिस (दक्षिण अफ्रीका) टीम के खिलाफ हमने खेला है वह थोड़ी अलग थी। इस टीम में बहुत से ऐसे खिलाड़ी थे जो उस टीम में नहीं थे। उनके कुछ खिलाड़ी तब एसएटी20 में खेल रहे थे, इसलिए यह थोड़े अलग होगा।' उन्होंने कहा, 'मुझे हालांकि लगता है कि हमें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलने में लाहौर के उस अनुभव का फायदा मिलेगा।' उन्होंने कहा, 'हम अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ तैयारी करेंगे और अपनी पूरी कोशिश करेंगे। हम सेमीफाइनल की चुनौती का इंतजार कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'हमारा रवैया हमेशा एक जैसा ही रहता है। हम अपनी तरह का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने की कोशिश करते हैं। हम इस पर कायम रहने में सफल रहे तो उम्मीद है कि मैच के आखिरी क्षणों में फायदे की स्थिति में रहेंगे।'

आईपीएल 2025 में एक बार फिर पंजाब किंग्स की ओर से बेहतर प्रदर्शन को तैयार हैं शशांक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीस में पिछली बार अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने वाल पंजाब किंग्स के आक्रामक बल्लेबाज शशांक सिंह का लक्ष्य इस बार भी टीम की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना है। शशांक ने पिछले सत्र में अपनी मैच विजेता पारियों से का ध्यान खींचा था। शशांक पिछले साल दुनिया भर में गूगल पर 9वें सबसे अधिक खोजे जाने वाले एथलीट थे। तब उन्होंने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ केवल 29 गेंदों में 61 रन बनाकर टीम को जीत दिलायी थी। शशांक ने इस पर कहा, मुझे नहीं पता था कि गूगल दुनिया भर में खोजे जाने वाले लोगों की एक सूची जारी करता है। यह

मेरे लिए एक बड़ी बात थी। इससे खुशी हुई थी कि देश और दुनिया भर के लोग मेरा नाम खोज रहे हैं और जान रहे हैं कि मैं क्या करता हूं पर इसका श्रेय मैं श्रेय पंजाब में बिताए अपने समय को देता हूं। उन्होंने कहा कि यह पंजाब किंग्स के कारण ही संभव हुआ है। ऐसे कई क्रिकेटर हैं जो प्रतिभाशाली हैं और शीर्ष स्तर पर खेल रहे हैं पर पंजाब किंग्स ने हमेशा मुझ पर भरोसा दिखाया है और मेरा समर्थन किया है हालांकि मैंने भी कड़ी मेहनत की है।

शशांक को पंजाब किंग्स ने 2025 सत्र के लिए टीम में बनाये रखा है। शशांक ने कहा कि वह श्रेयस अय्यर की कप्तानी में खेलने को लेकर उत्साहित हूं। इसका कारण है कि मैंने उनके साथ जूनियर स्तर पर खेला है। हमने डीवाई पाटिल टी20 कप में एक साथ खेला था और हमारे बीच अच्छा समन्वय है। इस क्रिकेटर ने कहा कि मैं बेहद भाग्यशाली हूं कि मैं पिछले साल इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा था और मुझे बरकरार रखा गया था।

ऋषभ पंत को लॉरियस 'वर्ल्ड कमबैक ऑफ द ईयर' पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया

नई दिल्ली । भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को दिसंबर 2022 में एक भयानक कार दुर्घटना से बचने के खेल में वापसी पर प्रतिष्ठित लॉरियस विश्व खेल पुरस्कार 2025 के 'कमबैक ऑफ द ईयर (वापसी करने वाले साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी)' श्रेणी में नामांकित किया गया है। पुरस्कार समारोह 21 अप्रैल को मैड्रिड में होगा। पंत को 30 दिसंबर 2022 को दिल्ली से अपने गृहनगर रुड़की जाते समय कार दुर्घटना का सामना करना पड़ा था। देहरादून के एक अस्पताल में प्रारंभिक उपचार के बाद इस 27 साल के खिलाड़ी को मुंबई ले जाया गया, जहां बीसीसीआई के विशेषज्ञ सलाहकार की देखरेख में उनका इलाज हुआ। दाएं घुटने के तीनों लिगामेंट की सर्जरी के बाद पंत ने बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में अपना रिहैबिलिटेशन पूरा किया। पंत चोट से उबरने के बाद पिछले साल मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ अपनी तत्कालीन आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के लिए मैदान में उतरे। पंत ने इसके बाद टेस्ट क्रिकेट में विजयी वापसी की और कार दुर्घटना के बाद अपने पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ शतक बनाया। उनके प्रदर्शन ने भारत को 280 रनों से जीत दिलाने में मदद की।

रिचर्ड्स बोले, अपने जज्बे, ऊर्जा और जुनून के कारण सर्वश्रेष्ठ हैं विराट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जमैका (ईएमएस)। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स ने भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। रिचर्ड्स ने कहा है कि अपने जुझारू जज्बे, ऊर्जा और जुनून के कारण ही विराट सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। है। वह अपने आलोचकों को हमेशा ही अपने खेल से जवाब देते हैं। इंटरनेशनल मास्टर लीग (आईएमएल) की संचालन परिषद के सदस्य रिचर्ड्स ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह वास्तव में हम सभी के सवालों का जवाब देता है। एकदिवसीय विश्व कप से पहले वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था पर उसने टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से सभी को हैरान कर दिया। ये सभी उसके जुनून और जज्बे से हुआ है।

उन्होंने कहा, 'इसलिए ही मैं उन्हें सर्वश्रेष्ठ और महानतम खिलाड़ी मानता हूं। आपको हर बार ऐसे खिलाड़ी नहीं मिलते जो फॉर्म में नहीं होने के बाद भी अच्छी वापसी कर सकें। उनका जुझारू जज्बा, ऊर्जा और अच्छा प्रदर्शन करने का जुनून उन्हें सबसे अलग बनाता है।

रिचर्ड्स ने कहा कि अगर वह अब भी खेल रहे होते तो वह मैदान पर कोहली की ऊर्जा से खेलना पसंद करते। रिचर्ड्स ने कहा, 'उनकी ऊर्जा उनके जुनून को दिखाती है। वह हर समय खेल में अपनी भागीदारी से आपको अपने जुनून को दिखाते हैं। वह इस तरह से शानदार खिलाड़ी हैं। जब उनसे उनकी पसंद के बल्लेबाजों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि कोहली उन्हें अपनी याद दिलाते हैं। उन्होंने कहा, 'बहुत सारे बल्लेबाज हैं, भारतीय टीम के पास पहले सचिन तेंदुलकर जैसे क्रिकेटर थे जो अब संन्यास ले चुके हैं पर वर्तमान समय में विराट ही हिम्मत करते हैं और जीतते हैं। वह अपने पर भरोसा करता है, हर वक्त 120 फीसदी आश्वस्त रहता है और जब भी आक्रामक होने की जरूरत होती है और विरोधियों का सामना करने की जरूरत होती है तो आपको ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत होती है।

रिचर्ड्स ने कहा कि कोहली की फिटनेस और भूख को देखते हुए वह लंबे समय तक

एकदिवसीय में खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आपको एक बात बताता हूं, वह जिस तरह के हैं और जिस तरह से फिट रहते हैं और जिस तरह से वह अभी भी खेल के प्रति बहुत जुनूनी है तो आप कुछ नहीं कह सकते, वह 50 साल की उम्र में भी खेल सकता है।

रिचर्ड्स ने कहा, 'आप कुछ नहीं कह सकते। लेकिन यह देखना शानदार है। उन्होंने हाल में दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ 100 रन बनाए तो इससे पता चलता है कि वह अब भी अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। उन्होंने हालांकि कोहली की तुलना तेंदुलकर से करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं तुलना में विश्वास नहीं रखता। हमें इस बात के लिए आभारी होना चाहिए कि हर कोई जिस दौर से गुजरा होगा, उस दौर में इन खिलाड़ियों को देखने वाले लोगों को लगा होगा कि उन्होंने कुछ बहुत अच्छे खिलाड़ियों को खेलते हुए देखा है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल के लिए गेंदबाजों के चयन ने बढ़ायी टीम प्रबंधन की मुश्किलें

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में टीम इंडिया के लिए गेंदबाजों का चयन कठिन रहेगा। टीम के सभी गेंदबाज अभी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐस में किसे बाहर बैठाया जाये ये कठिन होगा। पिछले मैच में वरुण चक्रवर्ती ने शानदार प्रदर्शन कर अपना दावा भी पक्का किया है। टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के आखिरी लीग मैच में तेज गेंदबाज हर्षित राणा की जगह मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को मौका दिया था। वरुण ने धमाकेदार गेंदबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की आधी टीम को अकेले आउट कर दिया था। 42 रन देकर 5 विकेट लेने के लिए वरुण चक्रवर्ती को प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। ऐसे में उन्हें बाहर करना कठिन होगा। अगर इसी स्पिन कॉम्बिनेशन के साथ भारतीय टीम उतरती है तो आपके पास एकमात्र तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी होंगे, जबकि दूसरे तेज गेंदबाज की जिम्मेदारी हार्दिक पांड्या के पास रहेगी। गेंदबाजी के लिए चार और विकल्प भारत के पास होंगे पर वे चारों ही स्पिनर हैं। इनमें एक कुलदीप यादव, दूसरे रविंद्र जडेजा, तीसरे अक्षर पटेल और चौथे वरुण चक्रवर्ती हैं। अब अगर आप अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा में से किसी एक को खिलाएंगे तो फिर बाहर किस स्पिनर को करेंगे। वरुण आपके लिए पिछले मैच में पांच विकेट लिए हैं। इस मैच में कुलदीप यादव ने 2 विकेट निकाले हैं। अक्षर पटेल आपके लिए गेंद के साथ-साथ बल्ले से अच्छा योगदान दे रहे हैं।

अभी मुझे पता है कि मेरा सही समय चल रहा है, न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद बोले अक्षर पटेल

दुबई (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 42 रनों की पारी खेलने वाले अक्षर पटेल का मानना है कि वेस्टइंडीज में एकदिवसीय मैच में अच्छी बल्लेबाज कर टीम को जीत दिलाने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा है।

मैच के बाद अक्षर ने कहा, 'बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद से कहें या वेस्टइंडीज में जब मैंने एकदिवसीय मैच जीताया था तो उसके बाद मेरा आत्मविश्वास बढ़ा था। मेरे पास कौशल तो था, लेकिन मैं उसका प्रदर्शन नहीं कर पा रहा था। जैसे ही एक पारी आई तो मैंने नहीं सोचा कि बल्लेबाजी दिखाने का यही सही मौका है। टैंपरामेंट की बात करें तो जब आप लगातार अच्छा करते हो तो आप अधिक सोचते नहीं है। अभी मुझे पता है कि मेरा सही समय चल रहा है।'

अक्षर ने कहा, 'विराट भाई और श्रेयस अच्छा ही कर रहे हैं तो मैं नहीं सोचता और ऊपर खेलूं। जब भी अवसर मिले तो मैं वही सोचता हूं कि टीम की क्या आवश्यकता है। नीचे जब खेलता था तो आपको जल्दी रन बनाने होते थे। अभी मुझे पता है कि मेरे पीछे भी बल्लेबाज हैं और मैं परिस्थिति के हिसाब से भी खेल सकता हूं। मैच की स्थिति से जैसे स्पिनर पर हिट करना है या आज जैसे साझेदारी की आवश्यकता थी तो हमने वही किया।' उन्होंने कहा, 'वरुण को लेकर हम सभी खुश हैं। हम पहले दो मैच जीत चुके थे। वह पिछली बार टी-20 विश्वकप खेला था। इतना आसान नहीं होता है। वहां अच्छा नहीं हुआ था, उसके बाद उसने दिखाया कि वह मानसिक तौर पर कितना मजबूत हुआ है। टी-20 के बाद उसने यहां भी अच्छा प्रदर्शन किया।' अक्षर ने कहा, 'मैं धीमी गेंद करने का दो-तीन साल से प्रयास कर रहा हूं। इन परिस्थितियों में मैं धीमी और तेज दोनों तरह की गेंद कर रहा हूं। जब विकेट मिलता है तो हौसला भी बढ़ता है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्या आप भी ब्रोकली को हफ्तेभर तक रखना चाहते हैं फ्रेश?

जानें इसे लंबे समय तक स्टोर करने का सबसे आसान तरीका

जब भी हम ब्रोकली खरीदकर घर लाते हैं तो कई बार हम उसे सही तरीके से स्टोर नहीं कर पाते और वह जल्दी खराब हो जाती है। ऐसे में अगर आप इसे एक हफ्ते तक ताजा रखना चाहते हैं तो इसके लिए आप इसे घर पर ही सही तरीके से स्टोर कर सकते हैं। इसे खाने से एक नहीं बल्कि अनेक लाभ हो सकते हैं। यह आपके वजन को नियंत्रित रखता है, मधुमेह के खतरे को कम करता है, ब्रोकली हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करती है, त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाती है और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाती है। आइये जानते हैं इसे स्टोर करने का सही तरीका क्या है?

मध्यम आकार में काटें और एक तरफ रख दें।

अगर आप ब्रोकली को एक सप्ताह तक ताजा रखना चाहते हैं तो सबसे पहले उसे मध्यम आकार में काट लें और पानी से साफ कर लें। अब इसे निकाल कर एक प्लेट में रख लें और 10 से 15 मिनट तक पानी सूखने के लिए छोड़ दें। अब आप ब्रोकली को दूसरे बर्तन में निकाल कर फ्रिज में रख सकते हैं।

कांच के जार में स्टोर करें.

यदि आपके घर में रेफ्रिजरेटर नहीं है, तो आप ब्रोकोली को कांच के जार में रख सकते हैं। इसके लिए आप इसका एक फूल लें। इसके बाद इसके पिछले हिस्से को अच्छे से काटकर साफ कर लें। अब एक कांच के जार में आधे से भी कम पानी भरें और उसमें ब्रोकली डालें। इससे आपकी ब्रोकली एक सप्ताह तक ताज़ा बनी रहेगी।

फलों से दूर रखें

यदि आप ब्रोकली को फ्रिज में रख रहे हैं, तो इसे किसी खट्टे फल या अन्य फलों के साथ न रखें, क्योंकि कई फल एथिलीन गैस छोड़ते हैं, जैसे केला, सेब और नाशपाती, जो ब्रोकली को खराब कर सकते हैं। ऐसे में फलों को फ्रिज में रखने की बजाय बाहर निकालकर रख दें।

क्या हमेशा घर दिखता है बिखरा और गंदा? तो ऑर्गेनाइज करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

कहा जाता है कि घर एक पारिवारिक जीवन का दर्पण होता है, जिसे देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि परिवार के सदस्य अपने जीवन में कितने व्यवस्थित हैं। इतना ही नहीं, अगर आप अपने घर को सही तरीके से व्यवस्थित नहीं रख पाते हैं तो इससे आपके दैनिक जीवन में भी काफी मुश्किलें पैदा होने लगती हैं। उदाहरण के लिए, आपको हर समय इस्तेमाल के लिए चीजें ढूंढनी होंगी, घर में मेहमान आने वाले हैं तो लिविंग रूम को जल्दी से साफ करने का तनाव रहेगा, घर में नकारात्मक ऊर्जा आएगी और कई बार तो आपका जल्दी घर आने का भी मन नहीं करेगा। यहां हम आपको बता रहे हैं कि किन 7 टिप्स को अपनाकर आप अपने जीवन को आसान और व्यवस्थित बना सकते हैं।

बिस्तर की चादर और तकिया कवर

जब भी आप अपने बिस्तर और तकिये के कवर को साफ करें या बदलें तो उन्हें एक साथ रखें। इसके लिए, इन सभी को मोड़कर एक तकिये के कवर के अंदर रख दें। ऐसा करने से आपको हर बार उन्हें खोजने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

लेबल

रसोईघर में रखे सभी जार पर चॉकबोर्ड या पेंट की मदद से लेबल लगाएं और उन्हें सामने की ओर सजाकर रखें। भंडारण के लिए उन्हें अलग-अलग बक्सों में रखने के बजाय एक ही बक्से का उपयोग करना बेहतर होगा। ऐसा करने से वे अच्छे दिखेंगे और व्यवस्थित भी रहेंगे।

इसे रख दें।

रसोईघर के दराजों या रैकों में सॉसपैन आदि को एक के ऊपर एक रखने से अधिक जगह घेरती है और यह देखने में भी अव्यवस्थित लगते हैं। बेहतर होगा कि आप इन्हें हैंगर पर लटका दें। इनका उपयोग भी आसान होगा।

दराज विभाजक का उपयोग करें

यदि आप अपने दराज में मेकअप, वॉलेट, चाबियाँ या अन्य चीजें एक साथ रखते हैं, तो दराज डिवाइडर का उपयोग करना बेहतर होगा। आपको रसोई के दराजों में भी डिवाइडर का उपयोग करना चाहिए और चाकू, चम्मच, कांटे आदि को अलग-अलग रखना चाहिए। इससे वस्तुएं व्यवस्थित रहेंगी और उनका उपयोग करना भी आसान हो जाएगा।

मग और कप हैंगर

कप आदि को रसोई में रखने की बजाय आप उन्हें हैंगर या हुक पर लटका सकते हैं। ऐसा करने से वे एक-दूसरे से टकराकर टूटेंगे नहीं और उन्हें आसानी से उपयोग के लिए निकाला जा सकेगा।

रैक

आप अपने दरवाजे के पीछे एक लटकता हुआ जूता रैक लटका सकते हैं। आप इसमें अपने जूते, चप्पल और सैंडल व्यवस्थित तरीके से रख सकते हैं और आसानी से उपयोग के लिए निकाल सकते हैं। आपको हर बार पूरा रैक खाली करने और पहनने के लिए कुछ खोजने की जरूरत नहीं होगी।

बॉक्स का उपयोग

आप अलमारी में छोटे-बड़े कपड़े रखने, क्लीनर आदि रखने, डाइनिंग टेबल को व्यवस्थित करने आदि के लिए बक्सों का उपयोग कर सकते हैं। आप ऐसे स्टूल या टेबल का उपयोग कर सकते हैं जिसमें बॉक्स सिस्टम हो। ऐसा करने से आपके पास अधिक भंडारण स्थान होगा और सामान इधर-उधर फैलने के बजाय बॉक्स में ही रहेगा।

क्या आप भी जा रहे हैं लंबे दिनों के लिए घर से बाहर, तो ऐसे रखें अपने घर को सुरक्षित

कभी-कभी हमें किसी न किसी काम से घर से बाहर जाना ही पड़ता है, लेकिन यहां हम ऑफिस, स्कूल-कॉलेज आदि के लिए ऐसा नहीं कर रहे हैं। बल्कि हम ऐसी चीजों के बारे में बात कर रहे हैं - जैसे कि आपको लंबे समय के लिए या कुछ दिनों के लिए घर से बाहर जाना पड़ता है। इसका कारण यात्रा हो सकती है, किसी की शादी में शामिल होना हो सकता है, कहीं बाहर जाकर कोई त्यौहार मनाना हो सकता है आदि। लेकिन ऐसे में एक सवाल हर किसी के मन में रहता है कि अगर हम घर से निकल रहे हैं तो क्या हमारा घर सुरक्षित है? क्योंकि हमने घर में जो चीजें रखी हैं, वे बहुत मेहनत से कमाई हैं। ऐसे में यह जानना जरूरी हो जाता है कि अगर कोई लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहा है तो उसे किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि उसका घर सुरक्षित रह सके। तो आइये जानते हैं इसके बारे में। इसके बारे में आप अगले अंक में जान सकते हैं...

गैस बंद कर दें.

लोग सबसे ज्यादा लापरवाही गैस को लेकर करते हैं, जबकि सभी जानते हैं कि हमारी एक छोटी सी गलती बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए जब भी घर से बाहर जा रहे हों तो गैस चूल्हे के अलावा गैस सिलेंडर को भी रेगुलेटर से बंद कर दें। अगर आप भूल जाते हैं तो इस काम को अपनी लिस्ट में शामिल कर लें या फिर गैस के पास एक स्टीकर भी लगा सकते हैं जिस पर लिखा हो कि गैस बंद कर दें। ऐसा करके आप अपने घर को सुरक्षित करने की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ सकते हैं।

लाइटें बंद कर दें.

यदि आप घर से बाहर जा रहे हैं तो लाइटें बंद करना न भूलें। पंखा, कूलर, फ्रिज और एसी जैसी चीजों को मुख्य स्विच से बंद करें। इससे न केवल आपका बिजली बिल बचेगा बल्कि किसी प्रकार का नुकसान भी नहीं होगा क्योंकि कई बार बिजली की कम या ज्यादा शक्ति के कारण चीजें खराब हो सकती हैं।

पैट का ख्याल रखना.

कई लोग शौक के तौर पर पालतू जानवर (कुत्ते, बिल्ली आदि) पालते हैं, लेकिन जब बात उनकी देखभाल की आती है, तो... तो इसमें उनकी लापरवाही साफ तौर पर दिखाई देती है। अगर आप लंबे समय के लिए घर से बाहर जा रहे हैं तो या तो आप पैट को साथ ले जाएं। आप अपने पालतू जानवर को कुछ शर्तों के साथ ट्रेन, हवाई जहाज और रोडवेज बसों में ले जा सकते हैं। यदि आप किसी अन्य कारण से अपने पालतू जानवर को अपने साथ नहीं ले जाना चाहते हैं, तो आप अपने पालतू जानवर को टेक केयर सेंटर यानी ऐसे स्थानों पर रख सकते हैं जहां पालतू जानवरों की देखभाल की जाती है। यहां आप कुछ शुल्क देकर अपने कुत्ते को जितने दिन चाहें छोड़ सकते हैं।

सुरक्षा पर ध्यान दें.

अगर आप घर से बाहर जा रहे हैं तो आपको अपने घर की सुरक्षा का भी ध्यान रखना होगा। अपना घर ठीक से बंद करो और जाओ। आप चाहें तो अपने घर में किसी जिम्मेदार पड़ोसी या विश्वसनीय रिश्तेदार को भी रख सकते हैं। इसके अलावा आप अपने घर में सीसीटीवी लगाकर भी उस पर नजर रख सकते हैं।

अगर आपके भी गुलाब के पौधे बार-बार मुरझा रहे हैं, तो ऐसे करें इनकी केयर

घर के बाहर आंगन में लगाए गए गुलाब के पौधे घर की सुंदरता बढ़ाने में मदद करते हैं। ऐसे में ज्यादातर लोग अपने घर के बाहर गुलाब के पौधे लगाना पसंद करते हैं, लेकिन कई बार ये पौधे मुरझाने लगते हैं और इस वजह से पूरे घर का लुक खराब होने लगता है। ऐसी स्थिति में अधिकतर लोग परेशान हो जाते हैं। अगर आपके घर के बाहर लगा गुलाब का पौधा मुरझाने लगा है तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको कुछ आसान टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप पौधे को मुरझाने से बचा सकते हैं।

गुलाब के पौधों को मुरझाने से बचाएं

गुलाब के पौधे को मुरझाने से बचाने के लिए आप इन सुझावों का पालन कर सकते हैं। सबसे पहले आपको गुलाब के पौधे को रोजाना पानी देना चाहिए। यदि गर्मी का मौसम है तो आपको गुलाब के पौधे को दिन में 2 से 3 बार पानी देना चाहिए। आपको गुलाब के पौधे को कम से कम 6 घंटे धूप अवश्य देनी चाहिए, लेकिन ध्यान रखें कि सीधी धूप पत्तियों को जला सकती है।

नियमित रूप से खाद डालें.

इसके अलावा आपको गुलाब के पौधे में अच्छी मिट्टी डालनी चाहिए, क्योंकि मिट्टी में पर्याप्त पोषक तत्वों का होना बहुत जरूरी है। आपको गुलाब के पौधे को नियमित रूप से खाद देना चाहिए। आपको बाजार में आसानी से खाद मिल जाएगी। उर्वरक खरीदते समय पैकेट पर लिखे सभी निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

पौधे की छंटाई अवश्य करें।

इसके अलावा मिट्टी में पानी का अच्छा विकास होना भी बहुत जरूरी है, तभी आपका पौधा मुरझाने से बच सकता है। गुलाब की सभी सूखी हुई शाखाएँ काट दो। इसके अलावा, छंटाई भी करें, इससे नई शाखाओं के विकास में मदद मिलेगी और पौधा अधिक सुंदर बनेगा।

कीटनाशक का प्रयोग करें

कई बार कीड़ों के कारण पौधा खराब होने लगता है, ऐसी स्थिति में आपको अपने पौधे की जांच कर कीटनाशक का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। सर्दियों में पौधे को ठंड लग सकती है। ऐसी स्थिति में उसका विशेष ध्यान रखें। वहीं, बरसात के मौसम में पौधे को ज्यादा पानी देने की जरूरत नहीं होती। आप इन सभी सुझावों का पालन करके गुलाब के पौधे को मुरझाने से बचा सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केंद्रीय मंत्री की बेटी और सहेलियों से छेड़छाड़ करने वाले 3 युवक गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता रक्षा खडसे की बेटी के साथ जो कुछ भी हुआ उसने सभी को हैरानी में डाल दिया है। अब हर किसी के मन में सवाल उठ रहा है कि अगर एक केंद्रीय मंत्री की बेटी ही सुरक्षित नहीं है, तो आम लड़कियों की सुरक्षा का क्या होगा। बता दें 24 फरवरी रात को कोथली गांव में संत मुक्ताई यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री खडसे की बेटी और उनकी कुछ सहेलियों के साथ कुछ मनचले लड़कों ने छेड़छाड़ कर दी थी। इस घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। रक्षा खडसे के सुरक्षा गार्ड की शिकायत के बाद पुलिस हरकत में आई। पुलिस के मुताबक अनिकेत भोई, किरण माली और अनुज पाटिल को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया है। पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामले से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। केंद्रीय मंत्री खडसे ने इस घटना के बाद कहा था कि अगर एक केंद्रीय मंत्री और सांसद की बेटी के साथ छेड़छाड़ की जा रही है, तो बाकी लोगों का क्या होगा? उन्होंने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस से भी बात की थी और मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी।

स्कूलों में स्मार्टफोन ले जाने पर रोक लगाने से हाईकोर्ट का इनकार

-कहा- इसका अनुशासन या शैक्षिक वातावरण पर कोई नकारात्मक असर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने स्कूलों में बच्चों को स्मार्टफोन ले जाने पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने साफ कहा कि स्मार्टफोन के इस्तेमाल से कक्षा में शिक्षण, अनुशासन या समग्र शैक्षिक वातावरण पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ता है। यह फैसला एक छात्र की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुनाया, जिसमें स्कूल में मोबाइल फोन के प्रयोग को लेकर दिशा निर्देश जारी करने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति अनूप जयराम भंभानी की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले में अपना रुख साफ करते हुए कहा कि तकनीक के इस युग में स्मार्टफोन पूरी तरह से नकारात्मक नहीं माना जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि स्मार्टफोन का इस्तेमाल अगर सही दिशा में किया जाए तो यह बच्चों के लिए शैक्षिक संसाधन के रूप में काम कर सकता है। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि मनोरंजन के उद्देश्य से इसका इस्तेमाल स्कूल परिसर में करना स्वीकार नहीं है। इस फैसले के बाद स्कूलों को जिम्मेदारी दी गई है कि वे बच्चों के स्मार्टफोन इस्तेमाल पर उचित दिशा-निर्देश बनाएं ताकि इसका दुरुपयोग न हो। कोर्ट ने इस्तेमाल के नियमों का उल्लंघन रोकने के लिए पारदर्शी, निष्पक्ष नियम लागू करने का आदेश कोर्ट ने स्कूलों को दिया है। कोर्ट ने चेतावनी दी कि स्मार्टफोन का इस्तेमाल केवल शैक्षिक उद्देश्यों तक सीमित रहना चाहिए। मनोरंजन, सोशल मीडिया या गेमिंग जैसे कार्यों के लिए इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती।

पंजाब के हाईटेक बंटी-बबली! ने कर दिया 3500 करोड़ का बड़ा कांड?

चंडीगढ़(एजेंसी)। पंजाब के इस जोड़े की दास्तां सुनकर आपको भी शायद भरोसा ना हो। इस कपल ने सालों से लोगों को लूट-लूट कर 3500 करोड़ रुपए छाप लिए। पुलिस की आंखों में धूल झोंककर दोनों कई महीनों से पकड़ में नहीं आ रहे थे। हालांकि बीते शुक्रवार पुलिस ने इस जोड़े को धर दोबाचा और फिलहाल वे ईडी की हिरासत में हैं। शनिवार को जालंधर की एक पीएमएलए कोर्ट ने सुखविंदर सिंह खरौर नाम के शख्स को 10 दिन और उसकी पत्नी डिंपल खरौर को पांच दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया है। इस जोड़े की ठगी की लिस्ट लंबी है। दोनों ने मिलकर क्लाउड स्पेस खरीदने और उसे वापस लीज पर देने के नाम पर सालों तक लोगों को ठगा और उससे मोटी रकम छापी। कपल ने पिछले 2-3 सालों में 3,500 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम इकट्ठी की और उससे ऐश करते रहें। पिछले महीने ईडी ने इनके ठिकानों से 80 करोड़ रुपये की कम से कम 26 लग्जरी कारें जब्त की थीं। वहीं पंजाब में दोनों की 178 करोड़ रुपये की प्रापर्टी भी पुलिस ने जब्त की थी।जानकारी के मुताबिक आरोपियों ने अपनी काली कमाई को सफेद करने के लिए कई शेल कंपनी बनाईं। डिंपल के बैंक अकाउंट्स और उसकी फर्जी कंपनियों जैसे खरौर फिल्म्स एलएलपी, फूटचैट एंटरटेनमेंट प्राइवेट और अवनी आईटीइंफ्रा वेंचर्स लिमिटेड के जरिए पैसे डायवर्ट किए गए। ईडी ने बताया है कि व्यूनाउ ग्रुप के सीईओ और संस्थापक सुखविंदर इस घोटाले के मास्टरमाइंड हैं।

जॉर्डन-इजरायल बॉर्डर पर सेना ने बरसा दी गोलियां, भारत के शख्स की मौत

तिरुवनंतपुरम(एजेंसी)। जॉर्डन-इजरायल बॉर्डर पर केरल के एक शख्स की उस वक्त गोली मारकर हत्या कर दी गई, जबकि वह कथित तौर पर सीमा पार कर रहा था। आरोप है कि मृतक अवैध रुप से जॉर्डन-इजरायल सीमा पार करने की कोशिश कर रहा था। मरने वाले की पहचान थुंबा निवासी 47 वर्षीय एनी थॉमस गेब्रियल के रूप में हुई है। मृतक गेब्रियल के परिवार ने रविवार को बताया कि उन्हें एक मार्च को भारतीय दूतावास की तरफ से एक ईमेल मिला, जिसमें एनी की मौत के बारे में कन्फर्म किया गया था। एनी की रिश्तेदार मेटिल्डा ने रविवार को बताया, हमें जॉर्डन में भारतीय दूतावास से एनी की मौत के बारे में एक ईमेल मिला, लेकिन उसके बाद कोई और जानकारी नहीं मिली है। यह घटना 10 फरवरी को हुई, जब जॉर्डन के सैनिकों ने सीमा पर गोलीबारी की। परिवार के सूत्रों के अनुसार, गेब्रियल के रिश्तेदार एडिसन को भी गोली मारी गई, लेकिन वह बच गया और वह घायल अवस्था में घर लौट आया है। गेब्रियल के एक रिश्तेदार ने एक टीवी चैनल को बताया कि पांच फरवरी को जब वह घर से निकला था, तो तमिलनाडु में ईसाई धार्मिक स्थल वेलंकन्नी जाने की बात कही थी।इंडियन एंबेसी ने 'एक्स' पर लिखा, पार्थिव शरीर को ले जाने के लिए जॉर्डन के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

अब राफेल को टक्कर देने आ रहे केएफ-21 और एमकेएल लड़ाकू विमान

-दोनों की कीमत और मेंटेनेंस भी काफी कम, क्षमताएं भी एडवांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। राफेल फाइटर जेट की एक अलग पहचान है। ये एक मल्टीरोल लड़ाकू विमान है जो एडवांस टेक्नोलॉजी और युद्ध में अपनी क्षमता साबित कर चुका है, लेकिन फ्रांस का लालच जल्द ही इस फाइटर जेट के मार्केट को बर्बाद कर सकता है। फ्रांसीसी राफेल को अमेरिकी स्टील्थ फाइटर जेट एफ-35 या रूसी पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान एसयू-57 से खतरा नहीं है, बल्कि दो ऐसे फाइटर जेट्स बाजार में आने वाले हैं, जो राफेल को चुनौती पेश कर सकते हैं। ये फाइटर जेट हैं दक्षिण कोरिया का केएफ-21 बोरामे और भारत का तेजस एमकेएल इन दोनों फाइटर जेट्स को लेकर दावा किया जा रहा है कि ये राफेल के बराबर शक्तिशाली हैं। इनमें एडवांस एवियोनिक्स और हथियार रखने की जगह है। इसके अलावा इन दोनों की कीमत भी राफेल की तुलना में काफी कम बताई जा रही है।

डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये क्षमताएं फ्रांसीसी राफेल के बाजार को खराब कर सकती हैं। फ्रांस के लिए राफेल फाइटर जेट लंबे वक्त से एक प्रीमियम प्रोडक्ट रहा है। इसमें एडवांस रडार सिस्टम, एडवांस इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और मल्टीरोल क्षमताएं हैं। इस वजह से भारत, कतर और मिस्र के देशों ने राफेल फाइटर जेट खरीदा है, लेकिन राफेल फाइटर जेट की कीमत बहुत ज्यादा है। राफेल के रखरखाव, अपग्रेडेशन और हथियारों के एकीकरण में बहुत ज्यादा खर्च होता है, जिसकी वजह से देशों के लिए राफेल फाइटर जेट का मेंटिनेंस करना मुश्किल है।इंडियन डिफेंस रिसर्च विंग की रिपोर्ट के मुताबिक 2016 में भारत ने 36 राफेल जेट के लिए 8.7 अरब डॉलर का सौदा किया था। इसमें कोई शक नहीं की राफेल को खरीदकर भारतीय वायुसेना की ताकत में जबरदस्त इजाफा हुआ है। डिफेंस एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर भागीदारी के तहत राफेल को बनाया जाता तो इस लागत को कम किया जा सकता था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दक्षिण कोरिया में बना केएफ-21 बोरामे लड़ाकू विमान और भारतीय तेजस फाइटर जेट डिफेंस बाजार में तहलका मचा सकते हैं। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह ये है कि राफेल के मुकाबले इसके मेंटिनेंस में काफी कम है। केएफ-21 एक 4.5-पीढ़ी का लड़ाकू विमान है, जिसका डिजाइन और डेवलपमेंट कोरिया एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने किया है। इस फाइटर जेट को खास तौर पर राफेल और टाइफून जैसे विमानों को टक्कर देने के लिए डिजाइन किया गया है। वहीं केएफ-21 लड़ाकू विमान के एक यूनिट की कीमत करीब 65 मिलियन डॉलर होने की संभावना है। लिहाजा देशों के लिए ये एक आकर्षक पैकेज हो सकता है। जबकि राफेल फाइटर जेट के एक यूनिट की कीमत 120 मिलियन डॉलर है।

वहीं भारत का तेजस एमकेएल, जो स्वदेशी तेजास एमकेएल का एक विकसित वैरिएंट है, अगले कुछ सालों में ये बनकर तैयार हो जाएगा। इसमें एडवांस जीई एफ414 इंजन, एडवांस एवियोनिक्स और भारत के स्वदेशी हथियारों जैसे अस्त्र और ब्रह्मोस के साथ आसानी से एकीकरण की क्षमता है। लिहाजा तेजस एक बेहतरीन लड़ाकू विमान बन गया है। इसके अलावा इसका मेंटिनेंस और भी कम होने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक तेजस के एक यूनिट की कीमत सिर्फ 50 से 60 मिलियन डॉलर प्रति यूनिट हो सकती है। इसके अलावा क्षमताओं के लिहाज से ये राफेल फाइटर जेट से ज्यादा एडवांस होगा।

मायावती के एक्शन पर आकाश ने दी प्रतिक्रिया : मेरा राजनीतिक करियर समाप्त नहीं

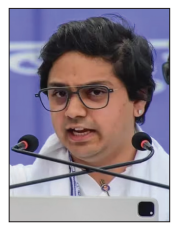

लखनऊ(एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी ऐलान किया कि उनके जीते जी पार्टी का कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। मायावती ने अपने भाई आनंद कुमार और रामजी गौतम को पार्टी का नेशनल कोऑर्डिनेटर नियुक्त किया है और उनके कार्यों का बंटवारा कर दिया है। मायावती के इस फैसले के बाद पहली बार आकाश आनंद की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट पर एक विस्तृत पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने इस फैसले का सम्मान करने की बात कही। उन्होंने कहा, कुछ विरोधी दल के लोग ये सोच रहे हैं कि पार्टी के इस फैसले से मेरा राजनीतिक करियर समाप्त हो गया, उन्हें समझना चाहिए कि बहुजन मूवमेंट कोई करियर नहीं, बल्कि करोड़ों दलित, शोषित, वंचित और गरीबों के आत्म-सम्मान व स्वाभिमान की लड़ाई है। अपनी पोस्ट में आकाश आनंद ने आगे लिखा, मैं परमपूज्य आदरणीय बहन कुमारी मायावती जी का कैडर हूं, और उनके नेतृत्व में मैंने त्याग, निष्ठा और समर्पण के कभी ना भूलने वाले सबक सीखे हैं। यह सब मेरे लिए केवल एक विचार नहीं, बल्कि जीवन का उद्देश्य हैं। आदरणीय बहन जी का हर फैसला मेरे लिए पत्थर की लकीर के समान है, मैं उनके हर फैसले का सम्मान करता हूं और उनके साथ खड़ा हूं। मायावती के इस निर्णय को बसपा में बड़े नेतृत्व परिवर्तन के रूप में देखा जा रहा है। लंबे समय से ऐसा माना जा रहा था कि आकाश आनंद पार्टी में उनकी राजनीतिक विरासत संभालेंगे, लेकिन अब मायावती के स्पष्ट संदेश से इन अटकलों पर विराम लग गया है।

पीएम मोदी, नड्डा के बाद अब संघ प्रमुख भागवत पहुंच रहे बिहार दौरे पर

सुपौल (एजेंसी)। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने है। यह देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित तमाम सियासी दिग्गज बिहार में दौरा कर रहे है। वहीं अब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत 6 मार्च को बिहार के सुपौल जिले आ रहे है। विधानसभा चुनाव से पहले उनके इस दौरे को खासा महत्व है। इस दौरान भागवत वीरपुर नगर पंचायत के वार्ड संख्या 01 स्थित केशव नगर में बने सरस्वती विद्या मंदिर के नए भवन का उद्घाटन करने वाले है।

बता दें, यह पहली बार होगा जब संघ प्रमुख इंडो-नेपाल बॉर्डर पर किसी कार्यक्रम को संबोधित करने वाले है। उनके इस दौरे को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सर संघ संचालक भागवत गुरुवार को दिन के 11.30 बजे बीरपुर पहुंचकर 1 बजे से कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचने वाले है। फिर अपने संबोधन के बाद 2.30 बजे स्वयं सेवकों के साथ बैठक करने वाले है। नेपाल से सटे वीरपुर जैसे इलाके में इस तरह के आयोजन का खास महत्व है। यह क्षेत्र राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समृद्धि और सीमावर्ती इलाकों में शिक्षा के प्रचार-प्रसार का प्रतीक बन रहा है। सीमावर्ती इलाकों में विद्या भारती के स्कूल जैसे संस्थान न केवल शिक्षा का स्तर बढ़ा रहे हैं, बल्कि राष्ट्रवादी विचारधारा को भी मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

विद्या भारती बिहार के क्षेत्र संगठन मंत्री ख्याली राम ने कहा, भागवत जी का वीरपुर में आना हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है। यह लंबे समय से योजना में था कि विद्यालय का उद्घाटन उनके हाथों कराया जाए। कोरोना महामारी के कारण यह संभव नहीं हो सका। अब यह मौका आ रहा है, और हम सभी कार्यकर्ता जोरदार तैयारी कर रहे हैं। उनके आगमन से यह संदेश जाएगा कि हिंदुत्व के सबसे बड़े चिंतक और मार्गदर्शक हमारे बीच आ रहे हैं। अपने दौरे के दौरान भागवत विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों, स्वयंसेवकों और आम नागरिकों से मुलाकात करने वाले है। वे समाज और राष्ट्र निर्माण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने वाले है। इस मौके पर हिंदुत्व, शिक्षा और सामाजिक एकता को लेकर संवाद होगा। कार्यक्रम स्थल पर भारी संख्या में लोगों के जुटने की संभावना है।

पप्पू यादव ने बीजेपी पर साधा निशाना और कहा- नीतीश कुमार के बिना कोई हैसियत नहीं

पटना (एजेंसी)। पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने भाजपा और एनडीए पर तीखा हमला बोला और कांग्रेस को बेहतर पार्टी बताया है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के बिना बीजेपी की कोई औकात नहीं है। पप्पू यादव ने दावा किया कि एनडीए में मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार से बेहतर कोई चेहरा नहीं है।

पप्पू यादव ने कहा, बीजेपी को कभी भी नीतीश कुमार का चेहरा पसंद नहीं था, लेकिन इस जन्म में उनसे बेहतर सीएम पद के लिए कोई नेता बीजेपी के पास नहीं होगा। उन्होंने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि किसी को जबरदस्ती पाउडर लगाकर मुख्यमंत्री बना सकते हैं, लेकिन असली नेतृत्व की कमी है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु के बयान- इस बार बिहार में ए टीम बनकर काम करेंगे- पर पप्पू यादव ने समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि बिहार में कांग्रेस ही बीजेपी को टक्कर दे सकती है और बिना कांग्रेस के एनडीए को हराना नामुमकिन है।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा महिलाओं को 2500 रुपये भत्ता देने और वृद्धा पेंशन बढ़ाने की मांग पर भी पप्पू यादव ने तंज कसा। उन्होंने कहा, जब सरकार में थे, तब क्यों नहीं बढ़ाया? चुनावी मौसम में वैज्ञानिक बनने का क्या मतलब है? पप्पू यादव ने केंद्रीय बजट पर भी निशाना साधा और कहा कि इसका कोई फायदा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में प्रति व्यक्ति 8000 रुपये कर्ज बढ़ गया है, जबकि 91 लाख करोड़ शेयर मार्केट में बर्बाद हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनावी मार्केटिंग के लिए जनता के पैसे का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए और फ्री बिजली देने की योजना पर पूरी तरह से रोक लगनी चाहिए।

पप्पू यादव के इस बयान के बाद बिहार की सियासत गरमा गई है। अब देखना यह होगा कि बीजेपी और अन्य विपक्षी दल इस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं।

डब्ल्यूएचओ का दावा, दुनिया में 2 बिलियन से ज्यादा लोगों की आंखों की रोशनी कमजोर

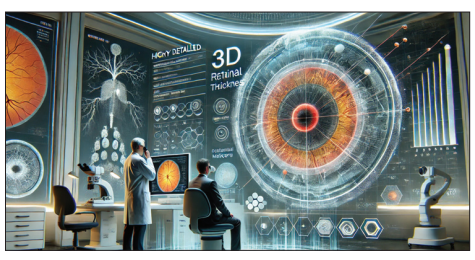

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया में बड़ी चीज हैं आंखें, आंखों की देखभाल करना बहुत जरूरी है। उम्र बढ़ने के साथ यह बढ़ा देनी चाहिए क्योंकि इनका स्वास्थ्य कमजोर होने लगता है और नजर कम होने लगती है। आंखों की केयर नजरअंदाज करने पर वक्त से पहले चश्मा चढ़ सकता है, जिसे हटाना मुश्किल हो सकता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ने बताया कि दुनिया के 2 बिलियन से ज्यादा लोगों को आंखों की रोशनी कमजोर है। इनमें से किसी को पास का देखने में तो किसी को दूर का देखने में दिक्कत होती है, लेकिन इनमें से 1 बिलियन लोग कुछ टिप्स की मदद से समस्या को कम कर सकते हैं। ?आंखों की किसी समस्या से बचना है तो रेगुलर आई टेस्ट करवाते रहें। इससे आई डिजीज और कमजोर रोशनी को पहचानकर उसे वहीं रोका जा सकता है।

घर से बाहर जाते हुए सनग्लास और ब्रिम्ड हैट पहनें। इससे धूप में मौजूद यूवी रेज आंखों को नुकसान नहीं पहुंचाती है। साथ ही धूल-मिट्टी से इंफेक्शन का डर कम हो जाता है। वैसे तो डिजिटल डिवाइस का इस्तेमाल कम से कम करना चाहिए, अगर आपका काम इनके बिना नहीं चलता है तो बीच-बीच में ब्रेक लेना ना भूलें। इससे आंखों पर तनाव ज्यादा नहीं पड़ेगा। टूल और केमिकल इस्तेमाल करते हुए आई प्रोटेक्शन पहनें। क्योंकि इनके पार्टिकल्स आंखों में जा सकते हैं, जिससे जलन, इंफेक्शन, धुंधला दिखना या आई डिजीज हो सकती है।

अगर आप धूम्रपान करते हैं तो इससे ब्लड फ्लो बाधित हो सकता है, जिससे आंखों को पोषण मिलने में दिक्कत हो सकती है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) का कहना है कि अगर आंखों को हेल्दी रखना हैं तो स्मोकिंग ना करें। यह नुस्खे की जानकारी व दावे पर आधारित हैं। इसकी सटीकता और असर की जिम्मेदारी हम नहीं लेते है।

बीजेपी के साथ गठबंधन करेगी नेशनल कॉन्फ्रेंस? सामने आया उमर अब्दुल्ला का बड़ा बयान

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू एवं कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को स्पष्ट कर दिया कि आने वाले दिनों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी के साथ इस तरह के गठबंधन की न तो कोई गुंजाइश है और न ही इसकी कोई जरूरत है, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनके विचार काफी अलग हैं। जम्मू-कश्मीर बजट सत्र से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हम (भाजपा के साथ) किसी गठबंधन की बात नहीं कर रहे हैं, न तो इसकी कोई गुंजाइश है और न ही इसकी जरूरत है। हमारे विचार भी मेल नहीं खाते।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर हम जम्मू-कश्मीर के बारे में बात करते हैं, तो हमारे विचार बहुत अलग हैं। हम (सत्र के दौरान) हर चीज पर चर्चा करेंगे। इससे पहले उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उनकी सरकार लोगों से किये गये सभी वादों को पूरा करेगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कथित तौर पर छाया मंत्रिमंडल (शैडो कैबिनेट) गठित करने की आलोचना करते हुए कहा कि भारत में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। उन्होंने कहा, ''हमारे देश में सिर्फ एक ही मंत्रिमंडल है। कोई 'छाया मंत्रिमंडल' नहीं है। अब तक यहां भाजपा ने राज किया है। अब जनता की सरकार अपना काम करेगी।''

अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''छाया (मंत्रिमंडल) की कोई जरूरत नहीं है। हमने लोगों से उनकी उम्मीदों को पूरा करने का वादा किया है और हम अपने वादों पर कायम हैं।'' मुख्यमंत्री ने गुलाम सिब्तैन मसूदी के निवास पर जाकर अपनी संवेदना व्यक्त की, जिनका इस सप्ताह की शुरुआत में निधन हो गया था। मसूदी नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक हसनैन मसूदी के भाई और हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष मीरवाइज उमर फारूक के ससुर थे।

रमजान, ईद और होली, यूपी में सुरक्षा-व्यवस्था को मजबूत किया गया

लखनऊ (एजेंसी)। रमजान, ईद और होली को देखकर उत्तर प्रदेश में सुरक्षा-व्यवस्था को मजबूत किया गया है। सुरक्षा कड़ी रहे इसके लिए उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने पुलिसकर्मियों को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए है। इसी कड़ी में 24 घंटे रेलवे ट्रैक से लेकर सोशल मीडिया पर हिमाकत करने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

यूपी डीजीपी कुमार का कहना है कि ट्रेनों की आवाजाही के दौरान किसी तरह की अराजकता ना हो और ट्रैक पर कोई पथराव ना करे इसके लिए पर्याप्त बंदोबस्त किए जा रहे है। थानेदारों को रेलवे ट्रैक पर नजर रखने के निर्देश दिए गए है।

जानकारी के मुताबिक राज्य में होली के त्यौहार को देखते हुए ही अन्य कार्यक्रमों की अनुमति मिलेगी। त्यौहारों को देखते हुए किसी तरह की नई परंपरा या नया जुलूस निकाले जाने की अनुमति नहीं होगी। होलिका दहन हो या जुमे की नमाज सुरक्षा के इंतजाम भी पुख्ता किए जा रहे है।

डीजीपी कुमार ने टीम के सदस्यों को जरुरी दिशा निर्देश जारी किए है। डीजीपी के मुताबिक ट्रेनों पर पथराव ना हो इसके लिए भी पुख्ता इंतजाम किए गए है। इलाके के एसीपी को होलिका दहन और जुमे की नमाज को लेकर नागरिकों के साथ बैठक करने को कहा है। किसी तरह की समस्या आने पर तत्काल जानकारी दी जानी चाहिए। इतना ही नहीं डीजीपी ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि अपने क्षेत्र के रेलवे ट्रैक का नक्शा भी रखें। पुलिस को ट्रैक के आसपास रहने वाले लोगों का ब्यौरा अपने पास रखना चाहिए। रेलवे पटरियों के पास रहने वाले लोगों का ब्यौरा तैयार करने को कहा गया है। इतना ही नहीं, सभी थाना प्रभारियों को अवैध शराब की बिक्री रोकने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली की जांच के निर्देश दिए गए हैं। ड्रोन के जरिए निगरानी बढ़ाई जाएगी।

राममंदिर में दर्शन के बाद जूते-चप्पल लेने लगाना पड़ रहा 5-6 किमी का फेरा

-लोग छोड़कर ही जा रहे जूते-चप्पल, इसे हटाना नगर निगम के लिए बना चुनौती

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में रामलला के दर्शन करने के लिए पिछले डेढ़ महीने से भीड़ बढ़ने से नगर निगम अधिकारियों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। भीड़ को मैनेज करने कुछ नियमों में बदलाव किए हैं जिससे बहुत से श्रद्धालु अपने जमा जूते चप्पलों को लेने नहीं आ रहे हैं। अब इन्हें हटाना प्रशासन के लिए चुनौती बन गया है। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक मंदिर के प्रवेश द्वार पर प्रतिदिन जूते-चप्पल जमा किया जाते हैं, जिन्हें जेसीबी मशीनों से इकट्ठा कर ट्रॉलियों में भरकर दूर किसी स्थान पर डंप किया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार गेट नंबर 1 जो राम पथ पर स्थित है, वहां भक्तों से उनके जूते-चप्पल उतरवाकर जमा कराए जाते हैं। मंदिर परिसर में करीब आधा किलोमीटर का चक्कर लगाने के बाद श्रद्धालु उस गेट पर वापस आकर अपने जूते-चप्पल लेते हैं। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अयोध्या प्रशासन ने भक्तों को गेट नंबर 3 और अन्य गेटों से बाहर निकलने के निर्देश दिए हैं। इससे अपने जूते-चप्पल लेने के लिए उन्हें 5-6 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ रही है। इस कारण कई श्रद्धालु अपने जूते-चप्पल वहीं छोड़कर नंगे पांव ही चले जाते हैं।

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य ने बताया कि महाकुंभ के कारण भक्तों की संख्या बढ़ गई। पिछले 30 दिनों में व्यवस्थाओं में बदलाव किए गए हैं, ताकि भक्तों की भीड़ को बिना किसी अव्यवस्था के आसानी से दर्शन करने की सुविधा मिल सके। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर का गेट नंबर 3 खोल दिया गया है। मंदिर के दर्शन के बाद, भक्तों को इस गेट से बाहर जाने का मार्ग दिया जा रहा है। दर्शन के बाद, श्रद्धालु श्रीराम अस्पताल होते हुए आगे बढ़ते हैं। चूंकि राम पथ पर एकतरफा मार्ग है, इसलिए भक्तों को अपने जूते-चप्पल लेने के लिए 5 से 6 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। इसलिए वह इस परेशानी से बचने के लिए अपने जूते-चप्पल वहीं छोड़कर चले जाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में उड़ते हुए कार्गो विमान में लगी आग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में शनिवार को फेडएक्स के एक कार्गो विमान के इंजन में पक्षी के टकराने से आग लग गई। इसके बाद प्लेन की न्यू जर्सी के नेवार्क एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें उड़ान के दौरान प्लेन के राइट साइड इंजन में आग दिखाई दे रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्हें एक जोरदार विस्फोट सुनाई दिया था। एक अन्य वीडियो में प्लेन को सुरक्षित रूप से उतरते हुए देखा जा सकता है, जबकि उसके इंजन में आग लगी हुई थी। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अभी यह भी साफ नहीं है कि हादसे के वक्त प्लेन में कितने लोग सवार थे। एक अधिकारी ने बताया कि एहतियात के तौर पर एयरपोर्ट पर ट्रैफिक कुछ देर के लिए रोक दिया गया था, लेकिन बाद में ट्रांसपोर्ट फिर से शुरू कर दिया गया।

नेपाल में भारत की सहायता से बने पुल का उद्घाटन

बीरगंज, एजेंसी। नेपाल के बारा जिले के बीरगंज में शनिवार को नेपाल-भारत विकास सहयोग के तहत बने कंक्रीट पुल का उद्घाटन किया गया। नवनिर्मित पुल बंगारी नदी पर भलुही-भरवालिया-8 पर बनाया गया है। वीरगंज में भारत के महावाणिज्य दूतावास देवी सहाय मीना और काठमांडो के संघीय सड़क पर्यवेक्षण एवं निगरानी कार्यालय के अधीक्षक अभियंता शुभराज न्योपाने ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मीना ने कहा, पुल के निर्माण से स्थानीय निवासियों के लिए आजीविका का सृजन हुआ है और यातायात की सुगम पहुंच बनी है। उन्होंने कहा, पुल का निर्माण यहां के स्थानीय समुदाय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। पुल के निर्माण को पूरा करने के लिए भारत सरकार ने 1.96 करोड़ नेपाली रुपये (एनआर) खर्च किए हैं।

भूकंप के बाद चीन ने तिब्बती एवरेस्ट खोला

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने शनिवार को तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में माउंट एवरेस्ट के दर्शनीय क्षेत्र को फिर से खोल दिया है। इसे माउंट कोमोलंगमा के नाम से जाना जाता है। 7 जनवरी को डिंगरी में 6.8 तीव्रता का भूकंप आने के बाद इस क्षेत्र को आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया था। भूकंप में 126 लोगों की जान चली गई थी और 188 अन्य घायल हो गए थे। डिंगरी दुनिया की सबसे ऊंची चोटी का उत्तरी बेस कैंप है। अब यहां फिर पर्यटक आ-जा सकेंगे।

टीटीपी से जुड़े सिख समेत 20 आतंकी गिरफ्तार

इस्लामाबाद, एजेंसी। कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से कथित तौर पर जुड़े एक सिख व्यक्ति समेत 20 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पंजाब पुलिस के आतंक निरोधक विभाग के प्रवक्ता ने कहा, कानून प्रवर्तन अफसरों ने इस हफ्ते पंजाब के कई क्षेत्रों में खुफिया सूचना पर आधारित 162 अभियानों के दौरान 20 टीटीपी आतंकवादियों को गिरफ्तार करके एक बड़ी आतंकी योजना को विफल कर दिया। बयान में कहा गया कि टीटीपी के तीन बेहद खतरनाक सदस्य - मनमोहन सिंह, नकीबुल्ला और रियाज को क्रमशः रावलपिंडी, लाहौर और रहीम यार खान से गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से 6,238 ग्राम विस्फोटक, 23 डेटोनेटर व तीन आईईडी बम और प्रतिबंधित साहित्य बरामद किया। जुमे की नमाज अदा करने पर 23 अहमदिया गिरफ्तार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अल्पसंख्यक अहमदिया समुदाय के 23 सदस्यों को 'जुमे की नमाज' अदा करने के लिए गिरफ्तार किया गया, जो कानूनन उनके लिए निषिद्ध है। पुलिस को सूचना मिली कि 27 अहमदिया लाहौर से लगभग 100 किमी दूर अपने पूजा स्थल पर नमाज अदा कर रहे हैं।

तुर्किये के साथ 40 वर्ष से जारी युद्ध को रोकेंगे कुर्दिश लड़ाके

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये में 40 वर्षों से विद्रोह कर रहे कुर्दिश उग्रवादियों ने शनिवार को युद्ध विराम की घोषणा कर दी। दो दिन पहले उनके कैद नेता अब्दुल्ला ओकलान ने समूह से हथियार डालने का आह्वान किया था। ओकलान 1999 से तुर्किये में कैद है। समूह ने कहा, हम अपो के शांति-लोकतांत्रिक समाज के आह्वान के कार्यान्वयन का मार्ग बनाने के लिए युद्धविराम की घोषणा करते हैं।

जापान के जंगलों में लगी भीषण आग, एक की मौत

टोक्यो, एजेंसी। जापान के उत्तरी हिस्से में लगी भीषण आग में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। इसे बीते तीन दशकों में जापान के जंगलों में लगी भीषण आग बताया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह आग करीब 1800 एकड़ क्षेत्र में फैल चुकी है।

जेलेंस्की को ट्रंप के साथ रिश्ते बेहतर करने चाहिए : नाटो चीफ

वाशिंगटन, एजेंसी। नाटो के सेक्रेटरी जनरल मार्क रुते ने बताया है कि उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से कहा है कि वे ऐसा रास्ता ढूंढें, जिससे उनके अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ रिश्ते बेहतर हो सकें। नाटो प्रमुख का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है।

रमजान के दौरान इजरायल नहीं करेगा हमला गाजा के साथ युद्धविराम प्रस्ताव पर जताई सहमति

येरूशलम, एजेंसी। इजरायल और फिलीस्तीन के बीच जारी युद्ध अस्थायी रूप से टल गया है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने घोषणा की है कि इज़रायल ने रमज़ान और पासओवर अवधि के दौरान गाजा में अस्थायी युद्ध विराम के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दूत स्टीव विटकॉफ के प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त की है। अल जज़ीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यह निर्णय ऐसे समय में लिया गया है जब पहले से सहमत युद्ध विराम का पहला चरण समाप्त होने वाला था। अस्थायी युद्ध विराम का उद्देश्य धार्मिक छुट्टियों के दौरान तनाव को कम करना है। इसके कार्यान्वयन के बारे में और अधिक जानकारी का खुलासा होना बाकी है। जैसे ही रमज़ान शुरू होता है, दुनिया भर में कई लोग प्रार्थना और उपवास के साथ इस महीने का स्वागत करते हैं। लेकिन गाजा में, माहौल गम और अनिश्चितता का है। युद्ध की गूँज अभी भी बनी हुई है, और युद्ध विराम के बावजूद, कई लोगों को डर है कि लड़ाई किसी भी समय फिर से शुरू हो सकती है। गाजा में रहने वालों के लिए, पिछले संघर्षों की यादें ताज़ा हैं। इस बीच, हज़ारों इज़राइली तेल अवीव में बेगिन स्ट्रीट पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, गाजा में शेष बंदियों की रिहाई और युद्धविराम समझौते के दूसरे चरण को पूरा करने की मांग कर रहे हैं। गौरतलब है कि 7 अक्टूबर, 2023 को, हमास ने इज़राइल पर बड़े पैमाने पर हमला किया इसके साथ ही, हमास ने वाहनों, पैराग्लाइडरों और पैदल चलकर इजरायल की सीमा का उल्लंघन किया, सैन्य ठिकानों और नागरिक क्षेत्रों, विशेष रूप से गाजा पट्टी के पास के समुदायों पर हमला किया। हमलावरों ने सामूहिक गोलीबारी, अपहरण और अन्य हिंसक वारदातों को अंजाम दिया, जिसमें नागरिकों और सैनिकों सहित कई लोगों की मौत हो गई। इजरायलियों और विदेशी नागरिकों सहित 200 से अधिक व्यक्तियों को बंधक बनाकर गाजा में लाया गया। इस हमले ने इजरायल को हमास पर युद्ध की घोषणा करने के लिए प्रेरित किया, जिसके कारण व्यापक हवाई हमले और गाजा पर जमीनी आक्रमण हुआ। 7 अक्टूबर, 2023 को इजरायल में कम से कम 1,139 लोग मारे गए। 7 अक्टूबर का हमला दशकों में इजरायल के लिए सबसे घातक दिन था और तब से इजरायल और हमास के बीच युद्ध जारी है, जिससे दोनों पक्षों के हजारों लोग हताहत हुए हैं और गाजा में गंभीर मानवीय संकट पैदा हो गया है।

मिस्र ने कहा- अमेरिका दूसरे चरण की बातचीत चाहता है : इस्त्राइल-हमास समझौते के दूसरे चरण को लेकर मिस्र के काहिरा में गुरुवार को इस्त्राइल, कतर और अमेरिका के अधिकारियों ने चर्चा शुरू की। मिस्र के अधिकारी ने बताया कि कि हमास, कतर और मिस्र मौजूदा युद्धविराम समझौते को जारी रखना चाहते हैं। हमास ने दूसरे चरण की वार्ता में आधिकारिक रूप से शामिल हुए बिना हर शनिवार को बंधकों की रिहाई के साथ चार सप्ताह के लिए युद्धविराम बढ़ाने के इस्त्राइल के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। अमेरिका दूसरे चरण की बातचीत शुरू करना चाहता है, लेकिन बातचीत के दौरान बंधकों की रिहाई की मांग की। हमास ने युद्ध विराम की शर्तों के पूर्ण क्रियान्वयन पर जोर दिया। हमास एक सदस्य ने बताया कि हमने युद्ध विराम के प्रथम चरण को आगे बढ़ाने के इस्त्राइल के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। हमास ने कहा कि यह युद्ध विराम समझौते के विरुद्ध है। हमास के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य बासम नैम ने एपी को बताया था कि शुक्रवार को इस्त्राइली प्रतिनिधि के स्वदेश लौटने से पहले समाधान खोजने में कोई प्रगति नहीं हुई। बताया जा रहा है कि काहिरा में हो रही वार्ता में हमास ने भाग नहीं लिया है। मिस्र और कतर के अधिकारियों ने हमास का प्रतिनिधित्व किया। संघर्ष विराम समझौते के लेकर हमास ने शुक्रवार को कहा था कि वह समझौते की सभी शर्तों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमास ने अंतरष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वह इस्त्राइल पर बिना किसी देरी या टालमटोल के तुरंत दूसरे चरण में आगे बढ़ने के लिए दबाव डाले। इस्त्राइल का कहना है कि गाजा में अभी भी मौजूद 59 बंधकों में से 32 मर चुके हैं। जनवरी में दोनों पक्षों ने तीन चरण के युद्ध विराम समझौते पर सहमति जताई थी।

नंगे पैर इंटरव्यू देने पर ट्रोल हुए विवेक रामास्वामी, भारतीय संस्कृति को लेकर छिड़ी बहस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में दावेदार रहे भारतवंशी विवेक रामास्वामी एक विवाद में फंस गए हैं। दरअसल उन्होंने बीते दिनों नंगे पैर एक इंटरव्यू दिया, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। अब इसे लेकर रामास्वामी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। यूजर्स उन्हें अमेरिका विरोधी और असभ्य तक कह रहे हैं। वहीं कई यूजर्स विवेक रामास्वामी का समर्थन भी कर रहे हैं। दरअसल बीते साल एक लाइव स्ट्रीमिंग रिकॉर्डिंग के दौरान विवेक रामास्वामी नंगे पैर बैठे। यह लाइव स्ट्रीमिंग रिकॉर्डिंग विवेक रामास्वामी के घर में हुई थी। अब इसे लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा छिड़ी हुई है। कुछ यूजर्स ने रामास्वामी पर निशाना साधते हुए लिखा कि विवेक रामास्वामी कभी भी ओहायो के गवर्नर नहीं बन पाएंगे। यह अमेरिका में अस्वीकार्य है। एक अन्य यूजर ने लिखा कि विवेक को इंटरव्यू के दौरान कम से कम मौजे पहनने चाहिए थे। एक अन्य यूजर ने लिखा कि विवेक रामास्वामी हमें शिक्षा पर भाषण देते हैं, लेकिन वे खुद इंटरव्यू में नंगे पैर दिखाई दे रहे हैं। यह बेहद असभ्य है। हालांकि ऐसा नहीं है कि सभी लोग विवेक रामास्वामी की आलोचना कर रहे हैं। कई यूजर्स ऐसे भी हैं, जिन्होंने विवेक रामास्वामी का समर्थन किया है। इन यूजर्स का कहना है कि दक्षिण और पूर्व एशिया में जहां भारत स्थित है, वहां घर के अंदर जूते उतारकर रहना एक सामान्य बात है। एक यूजर ने लिखा कि करीब सभी भारतीय अपने घरों में नंगे पैर ही रहते हैं। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। यह वहां की संस्कृति का हिस्सा है। मशहूर कमेंटेटर इयान माइल्स चेओंग ने विवेक रामास्वामी का समर्थन किया और लिखा कि अपने ही घर में नंगे पैर रहना कैसे अमेरिका विरोधी हो सकता है।

अंग्रेजी बनी अमेरिका की आधिकारिक भाषा; कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के बाद ट्रंप बोले- आएगी एकजुटता

वॉशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर चौंकाने वाला कार्यकारी आदेश जारी किया है। ट्रंप ने अब अंग्रेजी को अमेरिका की आधिकारिक भाषा घोषित किया है। उन्होंने कहा कि इससे विश्व भर के अप्रवासियों वाले देश में एकजुटता आएगी। व्हाइट हाउस ने ट्रंप का कार्यकारी आदेश एक्स पर पोस्ट किया। इसमें कहा गया कि अब समय आ गया है कि अंग्रेजी को देश की आधिकारिक भाषा घोषित किया जाए। व्हाइट हाउस ने लिखा कि एक राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित भाषा एकीकृत और सामंजस्यपूर्ण समाज का मूल है। संयुक्त राज्य अमेरिका ऐसे नागरिकों से मजबूत होता है जो एक साझा भाषा में विचारों का स्वतंत्र रूप से आदान-प्रदान कर सकते हैं। आदेश में कहा गया है कि एजेंसियों को यह छूट दी गई है कि वे अंग्रेजी के अलावा अन्य कितनी भी भाषाओं में सेवाएं दे सकते हैं। यह आदेश किसी भी एजेंसी को अपनी सेवा में परिवर्तन का निर्देश नहीं देता है। एजेंसी प्रमुखों को यह निर्धारित करने का अधिकार है कि अपनी-अपनी एजेंसियों के मिशन को पूरा करने और अमेरिकी लोगों को कुशलतापूर्वक सरकारी सेवाएं प्रदान करने के लिए क्या आवश्यक है? व्हाइट हाउस ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका में 350 से ज्यादा भाषाएं बोली जाती हैं। हमारे गणराज्य की स्थापना के समय से अंग्रेजी राष्ट्र की भाषा रही है।

अमेरिका में सैन्य स्वास्थ्य एजेंसी की अश्वेत चीफ को जबरन किया सेवानिवृत्त; रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में शीर्ष सैन्य अधिकारियों और सेना के वरिष्ठ वकीलों के बाद अब सैन्य स्वास्थ्य एजेंसी की प्रमुख और अश्वेत महिला अधिकारी को जबरन सेवानिवृत्त कर दिया गया है। एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा किया गया है कि अमेरिकी सेना की लेफ्टिनेंट जनरल टेलिटा क्रॉसलैंड को जबरन सेवानिवृत्त किया गया। गौरतलब है कि शुक्रवार को ही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीफ ऑफ स्टाफ एयरफोर्स जनरल सीक्यू ब्राउन जूनियर को उनके पद से हटा दिया था। यह अमेरिकी सेना के ढांचे में बड़े बदलाव का संकेत है।

एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सेना की ओर से लेफ्टिनेंट जनरल टेलिटा क्रॉसलैंड की सेवानिवृत्ति का एलान किया गया। बताया जाता है कि 32 साल से सेना में काम कर रही क्रॉसलैंड को सेवानिवृत्ति के लिए मजबूर किया गया है। स्वास्थ्य मामलों के कार्यवाहक सहायक रक्षा सचिव स्टीफन फेरारा ने कहा कि क्रॉसलैंड की सेवानिवृत्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मैं क्रॉसलैंड को पिछले 32 वर्षों से राष्ट्र, सैन्य स्वास्थ्य प्रणाली और सेना चिकित्सा में उनके समर्पण के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। हालांकि सेना के एक पूर्व अधिकारी का कहना है कि क्रॉसलैंड को जबरन सेवानिवृत्ति दी गई है। उनको ऐसा करने का कोई कारण भी नहीं बताया गया। सेना में हो रहा बड़ा बदलाव इससे पहले शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीफ ऑफ स्टाफ एयरफोर्स जनरल सीक्यू ब्राउन जूनियर को उनके पद से हटा दिया

था। इसके अलावा अमेरिकी नौसेना की एडमिरल लिसा फ्रेंचेट्टी, वायुसेना के उप-प्रमुख जेम्स स्लाइफ को भी पद से हटा दिया गया। इसके बाद सेना के वरिष्ठ वकीलों को नौकरी से निकाला गया। सेना के पूर्व अधिकारी और विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप वोकिज्म यानी प्रगतिशील विचारों को खत्म करने के लिए सेना में बड़े बदलाव कर रहे हैं। जबकि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने पहले ही इशारा दिया था कि वे सेना में योग्यता आधारित सिस्टम लागू करेंगे और किसी भी नेता को उसकी राजनीतिक सोच के आधार पर हटाया जा सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप के इस कदम से अमेरिकी सेना में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। एक तरफ वे सेना में विविधता और समानता को कम कर पारंपरिक सैन्य संस्कृति को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ इस फैसले की आलोचना भी हो रही है।

म्यांमार ने रिहा किए इंडोनेशिया के 84 नागरिक : नाएप्यीडॉ, एजेंसी। म्यांमार में धोखाधड़ी से जुड़े 84 इंडोनेशियाई नागरिकों को रिहा किया गया है। म्यांमार में इन धोखाधड़ी सेंटर्स के खिलाफ सरकार ने अभियान चलाया हुआ है, जहां से पकड़े गए लोगों को उनके देश भेजा जा रहा है। म्यांमार की सरकार ने इस अभियान में करीब 7000 लोगों को पकड़ा है, जो थाईलैंड, म्यांमार और चीन के लोगों द्वारा चलाए जा रहे इंडोनेशिया के लोगों को दो बसों में बिठाकर गुरुवार को थाईलैंड के शहर माए सोत ले जाया गया, जहां उनके स्वास्थ्य की जांच और पहचान की जांच की गई। बता दें कि विभिन्न तरह के लालच देकर हजारों लोगों को म्यांमार में काम के लिए लाया जाता है, जहां उन्हें विभिन्न तरह की धोखाधड़ी के काम में लगा दिया जाता है। कई लोगों को गलत दावे कर म्यांमार लाया जाता है और यहां उनका शोषण किया जाता है। रिहा किए गए 84 इंडोनेशियाई नागरिकों में 69 पुरुष और 15 महिलाएं हैं।

जेलेंस्की की अमेरिकी यात्रा एक राजनीतिक और कूटनीतिक नाकामी : रूस

मॉस्को, एजेंसी। रूस ने शनिवार को यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की अमेरिका यात्रा को कीव शासन की पूर्ण राजनीतिक और कूटनीतिक नाकामी करार दिया। मॉस्को की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस के साथ ओवल ऑफिस में जेलेंस्की के सार्वजनिक टकराव के बाद आई। दो देशों के नेताओं के बीच हुई तीखी बहस ने पूरी दुनिया में सुर्खियां बटोरीं।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा, रूसी पक्ष ने सभी स्तरों पर बार-बार कहा है कि वी.जेलेंस्की अनुपयुक्त, भ्रष्ट और समझौते पर पहुंचने में असमर्थ हैं। यह कीव शासन था जिसने दुश्मनी को जारी रखा। जखारोवा ने कहा, वाशिंगटन में अपने प्रवास के दौरान अपने बेहद असभ्य व्यवहार से वी. जेलेंस्की ने पुष्टि की है कि वह एक बड़े युद्ध को भड़काने वाले के रूप में विश्व समुदाय के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं। रूसी विदेश

मंत्रालय के प्रवक्ता ने जेलेंस्की को एक ऐसा व्यक्ति बताया जो केवल उस शक्ति को बचाने के लिए जुनूनी है जिसे उसने हड़प लिया है। उन्होंने कहा, इस उद्देश्य के लिए, उन्होंने विपक्ष को नष्ट कर दिया, एक अधिनायकवादी राज्य का निर्माण किया, अपने लाखों साथी नागरिकों को निर्दयतापूर्वक मौत के घाट उतार दिया। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में, जो कीव शासन के लिए लगातार खराब होती जा रही हैं, यह व्यक्ति जिम्मेदारी की भावना दिखाने में असमर्थ है और इसलिए युद्ध जारी रखने और शांति को अस्वीकार करने के लिए जुनूनी है।

इससे पहले शुक्रवार को ओवल ऑफिस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उप-राष्ट्रपति जे.डी. वेंस के साथ राष्ट्रपति जेलेंस्की की मुलाकात एक शोरगुल वाली तीखी बहस में बदल गई। अमेरिकी नेताओं ने जेलेंस्की पर उनकी टिप्पणियों के लिए व्हाइट हाउस और अमेरिका का अनादर करने का आरोप लगाया।

वहीं यूक्रेनी राष्ट्रपति ने उन पर आक्रमण का शिकार होने की हताशा को महसूस नहीं करने का आरोप लगाया। दोनों पक्षों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किए। इस समझौते का उद्देश्य कीव के युद्ध प्रयासों में किए मदद के लिए यूक्रेन के दुर्लभ खनिज और अन्य प्राकृतिक संसाधनों के भंडार पर अमेरिका का अधिकार स्थापित करना था।

दो मिलियन से अधिक लोग खाद्य असुरक्षा का कर रहे सामना

नैरोबी, एजेंसी। केन्या में खाद्य-असुरक्षित लोगों की संख्या 2.15 मिलियन है। यह आंकड़ा जुलाई 2024 के मुकाबले एक मिलियन से अधिक है। पूर्वी अफ्रीकी देश के राष्ट्रीय सूखा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने यह जानकारी दी है। एनडीएमए ने कहा कि खाद्य सुरक्षा में गिरावट का कारण सामान्य से कम बारिश है। यह पिछले मौसमों से होने वाले फायदे को पलट देती है। इससे घरेलू खाद्य उपभोग में अंतर आया है और कुपोषण का स्तर बढ़ रहा है। केन्या की राजधानी नैरोबी में जारी एक रिपोर्ट में एनडीएमए ने चेतावनी दी, मार्च-मई के लंबे बारिश के मौसम के दौरान स्थिति और भी खराब होने का अनुमान है। इसमें 2.8 मिलियन लोगों को तीव्र खाद्य असुरक्षा का सामना करने की संभावना जताई गई है। एनडीएमए के अनुसार, चरागाह और पानी की उपलब्धता में कमी के कारण पशुओं की लंबी दूरी तय करनी पड़ी है और साथ ही पशुओं की उत्पादकता में भी कमी आई है। इसके परिणामस्वरूप देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में दूध उत्पादन में 25-40 प्रतिशत की कमी आई है और दूध की कीमतें बढ़ गई हैं। एनडीएमए की चेतावनी से एक सप्ताह पहले अंतर-सरकारी विकास प्राधिकरण (आईजीएडी) के जलवायु वैज्ञानिकों ने खुलासा किया था कि केन्या उन चार पूर्वी अफ्रीकी देशों में से एक है जिन्हें आने वाले दिनों में उच्च स्तर की गर्मी का

अनुभव करना पड़ सकता है। यूएसए के विश्व खाद्य कार्यक्रम के अनुसार, केन्या, एक निम्न-मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्था, तेजी से बढ़ रही है लेकिन सामाजिक और आर्थिक असमानताएं बनी हुई हैं। केन्या के एक तिहाई से अधिक लोग गरीबी रेखा से नीचे रहते हैं। बढ़ती जनसंख्या, जलवायु परिवर्तन, खराब प्रदर्शन करने वाली खाद्य प्रणालियां और लैंगिक असमानताएं देश में खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं। पर्याप्त पौष्टिक भोजन तक पहुंच कई लोगों के लिए एक चुनौती बनी हुई है, खासकर शुष्क और अर्ध-शुष्क इलाके, जो देश के 80 प्रतिशत भूमि क्षेत्र हैं। केन्या में 500,000 शरणार्थी हैं, जो मुख्य रूप से दूरदराज के, खाद्य-असुरक्षित काउंटियों में स्थित शिविरों में हैं। काम करने या स्वतंत्र रूप से घूमने में असमर्थ, शरणार्थी अंतरराष्ट्रीय सहायता पर अत्यधिक निर्भर हैं।

युगांडा में इबोला से चार साल के बच्चे की मौत, डब्ल्यूएचओ बोला- दूसरी मौत स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए बड़ा झटका

कंपाला, एजेंसी। पूर्वी अफ्रीकी देश युगांडा में इबोला से एक चार साल के बच्चे की मौत हो गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, इबोला से यह दूसरी मौत है। इससे पहले, 30 जनवरी को एक वार्ड बॉय की प्रकोप घोषित होने से एक दिन पहले मौत हुई थी। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि बच्चे की मौत स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए एक बड़ा झटका है, जो प्रकोप के जल्दी खत्म होने की उम्मीद कर रहे थे। डब्ल्यूएचओ ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि बच्चे को युगांडा की राजधानी कंपाला में एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान मंगलवार को उसकी मौत हो गई। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि वे निगरानी और संपर्क ट्रेसिंग को मजबूत करने पर काम कर रहे हैं। बच्चे की मौत ने अधिकारियों के दावे को कमजोर किया बच्चे की मौत ने युगांडा के अधिकारियों के उस दावे को कमजोर कर दिया, जिसमें कहा गया था कि फरवरी की शुरुआत में आठ इबोला मरीजों को ठीक कर छुट्टी दे दी गई थी, जिसके बाद प्रकोप नियंत्रण में था।

कंपाला में हुई थी वार्ड बॉय की मौत इससे पहले, वार्ड बॉय ने कंपाला और पूर्वी युगांडा के कई अस्पतालों में इलाज करवाया था। वह बीमारी का उपचार कराने के लिए एक पारंपरिक चिकित्सक के पास भी गया था। बाद में, कंपाला में उसकी मौत हो गई थी। वार्ड बॉय के संपर्क में आने से आठ लोगों को हुआ था इबोला वार्ड बॉय के संपर्क में आने से आठ लोग इबोला से ग्रस्त हो गए थे। उनके सफल इलाज ने स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों को आशा दी थी कि प्रकोप खत्म हो गया है, लेकिन वे अभी भी इसके स्रोत की जांच कर रहे हैं। इबोला के प्रसार को रोकने के लिए संपर्कों का पता लगाना जरूरी डब्ल्यूएचओ ने

कहा कि इबोला के प्रसार को रोकने के लिए संपर्कों का पता लगाना जरूरी है, और युगांडा में इबोला के सूडान स्ट्रेन के लिए कोई स्वीकृत वैक्सीन नहीं है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, युगांडा के विभिन्न सीमा पार बिंदुओं पर प्रतिदिन 20,000 से अधिक यात्रियों की इबोला के लिए जांच की जाती है। डब्ल्यूएचओ ने युगांडा को दिए 3 मिलियन अमेरिकी डॉलर डब्ल्यूएचओ ने युगांडा को इबोला प्रतिक्रिया का समर्थन करने के लिए कम से कम 3 मिलियन अमेरिकी डॉलर दिए हैं, लेकिन यूएसएआईडी के 60प्रतिशत विदेशी सहायता अनुबंधों को खत्म करने के अमेरिकी प्रशासन के फैसले के कारण धन की कमी की चिंता है। अमेरिकी सहायता में कटौती से कई गैर-सरकारी समूहों के काम पर पड़ा असर युगांडा के स्वास्थ्य मंत्रालय के निदेशक चार्ल्स ओलारो ने कहा कि अमेरिकी सहायता में कटौती से कई गैर-सरकारी समूहों के काम पर असर पड़ा है। उन्होंने कहा, चुनौतियां हैं, लेकिन हमें नई वास्तविकता के साथ तालमेल बिठाने की जरूरत है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई